राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

देश की उपासना

जौनपुर से प्रकाशित

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष – 03 | अंक – 198 | जौनपुर | शुक्रवार, 07 मार्च 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

शहर में 8 बाइक पेट्रोलिंग टीमों को तैनात विभिन्न मार्गों पर भ्रमण करके यातयात को बनाएगी सुगम

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। पुलिस ने शहर की यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए एक नई पहल की है। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर शहर में 8 बाइक पेट्रोलिंग टीमों को तैनात किया गया है। सहायक पुलिस अधीक्षक ने यातायात कार्यालय से हरी झंडी दिखाकर इन टीमों को रवाना किया। ये टीमें सुबह 9 बजे से रात 9 बजे तक 7 अलग–अलग रूट पर गश्त करेंगी। इनका मुख्य काम सड़कों पर गलत तरीके से खड़े वाहनों को हटवाना और यातायात को सुचारु बनाना होगा। आवश्यकता पड़ने पर ये टीमें कानूनी कार्रवाई भी करेंगी।

सीएम योगी ने दिलाया भरोसा- प्रदेश में 10 लाख नए युवा उद्यमी तैयार करेगी सरकार

गोरखनाथ, (संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हमेशा कहते हैं कि युवा देश की ऊर्जा हैं। इन्हें सही राह दिखाकर उचित अवसर प्रदान किए जाने की आवश्यकता है। पीएम मोदी की प्रेरणा से डबल इंजन की भाजपा सरकार ने प्रदेश के अंदर 10 लाख नए युवा उद्यमी को तैयार करने के अभियान को अपने हाथ में लिया है। सीएम योगी ने बाबा गंभीरनाथ प्रेक्षागृह में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान (सीएम युवा) के तहत गोरखपुर व बस्ती मंडल के 2500 लाभार्थियों को 100 करोड़ रुपये का ऋण तथा ओडीओपी के अंतर्गत दोनों मंडलों के 2100 प्रशिक्षणार्थियों को टूलकिट वितरण किया। इससे पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। एमएसएमई विभाग की तरफ से लघु फिल्म का भी प्रदर्शन किया गया। सीएम ने कहा कि होली के पहले प्रदेश के युवाओं को दिए जा रहे सौगात का लाभ नए युवा उद्यमी बनने में मदद करेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना 24 जनवरी 2025 को प्रारंभ की। अभी लगभग सवा महीने हुए हैं। इससे पूरे वर्ष भर में एक लाख नए उद्यमियों को जोड़ना था, लेकिन अभी तक ही 2लाख 54 हजार 794 आवेदन आ चुके हैं। यही स्कीम की लोकप्रियता है। इसमें से एक लाख आवेदन बैंकों को भेज दिए गए हैं। 24 हजार लाभार्थियों को 931 करोड़ रुपये का ऋण स्वीकृत हो गया है और 10,500 लाभार्थियों को 410 करोड़ रुपये वितरण भी किया जा चुका है। गोरखपुर व बस्ती मंडल के 1440 लाभार्थियों को 67.14 करोड़ रुपये का ऋण स्वीकृत करते हुए 575 लाभार्थियों को 25.80 करोड़ का ऋण पहले वितरित किया जा चुका है। आज 2500 लाभार्थियों को 100 करोड़ ऋण वितरण की व्यवस्था की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत नई दिशा में चला है। पिछले 10 वर्ष में पीएम मोदी के नेतृत्व में नए भारत का दर्शन किया जा रहा है। नया भारत ऊर्जा व सामर्थ्य से दुनिया को अपना अनुगामी बनाता है। इस ऊर्जा के प्रतीक हैं युवा, जिन्होंने पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत को दुनिया की पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था बनाया। अगले दो वर्ष में भारत दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा। अर्थव्यवस्था को तेजी से आगे बढ़ाने में सबसे बड़ी भूमिका नए युवा उद्यमियों की होगी। उन्होंने कहा कि स्टार्टअप, स्टैंडअप, मेक इन इंडिया की संस्कृति को आगे बढ़ाया गया, जो युवाओं को बढ़ाकर आत्मनिर्भर भारत की कल्पना को साकार कर रहा है।

तेलंगाना एमएलसी चुनावों में भाजपा का शानदार प्रदर्शन गदगद हुए पीएम मोदी

तेलंगाना, (एजेंसी)। भाजपा दक्षिण भारत में मजबूत होती दिख रही है। तेलंगाना विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) चुनावों में भाजपा को मिली जीत से पार्टी उत्साहित है। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) चुनावों में भाजपा को उनके अभूतपूर्व समर्थन के लिए तेलंगाना के लोगों को धन्यवाद दिया। राज्य की तीन एमएलसी सीटों में से दो पर बीजेपी ने जीत हासिल की। एक्स पर एक पोस्ट में, मोदी ने पार्टी के नवनिर्वाचित उम्मीदवारों को बधाई दी और उनके प्रयासों के लिए भाजपा कार्यकर्ताओं की सराहना की। मोदी ने लिखा कि मैं एमएलसी चुनावों में बीजेपी तेलंगाना को इतने अभूतपूर्व समर्थन के लिए आशीर्वाद देने के लिए तेलंगाना के लोगों को धन्यवाद देता हूं। हमारे नवनिर्वाचित उम्मीदवारों को बधाई। उन्होंने कहा कि मुझे इस बात पर बहुत गर्व है कि हमारी पार्टी के कार्यकर्ता बड़ी मेहनत से लोगों के बीच काम कर रहे हैं। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी ने कहा कि यह बीजेपी और तेलंगाना की सफलता है। तेलंगाना की राजनीति कैसी होगी, आने वाले दिनों में तेलंगाना में बीजेपी की सरकार कैसी होगी, इसे लेकर तेलंगाना की जनता ने रास्ता बना लिया है। रेड्डी ने कहा कि बीजेपी कड़ी मेहनत करेगी और इस रास्ते पर आगे बढ़ेगी। पीएम मोदी के नेतृत्व में बीजेपी तेलंगाना में डबल इंजन सरकार लाने के लिए कड़ी मेहनत करेगी। मोदी ने आंध्र प्रदेश में स्नातक एमएलसी चुनावों में एनडीए उम्मीदवारों की सफलता का भी जश्न मनाया। उन्होंने आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू के एक पोस्ट का जवाब देते हुए लिखा कि जीतने वाले उम्मीदवारों को बधाई। केंद्र और आंध्र प्रदेश में एनडीए सरकारें राज्य के लोगों की सेवा करती रहेंगी और राज्य की विकास यात्रा को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगी।

संक्षिप्त समाचार

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत पांच दिवसीय दौरे पर बिहार पहुंचे

नई दिल्ली, (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत बुधवार को पांच दिवसीय दौरे पर बिहार पहुंचे और इस दौरान वह कार्यकर्ताओं से संवाद करेंगे तथा अन्य कार्यक्रमों में भाग लेंगे। एक पदाधिकारी ने यह जानकारी दी। पदाधिकारी ने बताया कि भागवत विमान से पटना पहुंचे और मुजफ्फरपुर के लिए रवाना हो गए। मुजफ्फरपुर में वह रात्रि विश्राम करेंगे और बृहस्पतिवार सुबह सुपौल के लिए रवाना होंगे। उनका सुपौल के बीरपुर अनुमंडल में 'सरस्वती विद्या मंदिर' स्कूल के नए भवन का उद्घाटन करने का कार्यक्रम है। इसके बाद वह शाम को मुजफ्फरपुर लौटेंगे। आरएसएस प्रमुख नौ मार्च तक मुजफ्फरपुर में रहेंगे। उनके स्वयंसेवकों और संघ से संबंधित अन्य संगठनों से जुड़े लोगों से मिलने की उम्मीद है। सरसंघचालक का यह दौरा राज्य में विधानसभा चुनाव से कुछ महीने पहले हो रहा है जहां आरएसएस की राजनीतिक शाखा भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अपना आधार बढ़ाने की कोशिश कर रही है।

डायरिया और उल्टी की शिकायत के बाद 45 कैदियों को अस्पताल में भर्ती कराया गया

नई दिल्ली, (एजेंसी)। मंगलुरु जेल के 45 कैदियों को डायरिया और इससे जुड़ी समस्याओं की शिकायत के बाद बुधवार को सरकारी वेनलॉक अस्पताल में भर्ती कराया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि उनमें से एक की हालत गंभीर है और अस्पताल की गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) में उसका उपचार किया जा रहा है। जेल अधिकारियों के अनुसार, कैदियों को दोपहर के भोजन में चावल–सांभर और नाश्ते में 'अवलक्की' (पोहा) परोसा गया था। कैदियों ने अपराह्नलन करीब तीन बजे बेचैनी की शिकायत की, जिसके बाद सभी 45 कैदियों को सुरक्षा के बीच पुलिस वाहनों में अस्पताल ले जाया गया। पुलिस आयुक्त अनुपम अग्रवाल ने अस्पताल का दौरा किया और कैदियों का इलाज कर रहे चिकित्सकों से बात की। अग्रवाल ने संवाददाताओं को बताया कि भोजन के नमूने जांच के लिए भेजे गए हैं।

औरंगजेब विवाद पर विधानसभा में दहाड़े एकनाथ शिंदे

मुंबई, (एजेंसी)। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि लोगों की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए सपा विधायक अबू आजमी को महाराष्ट्र विधानसभा के बजट सत्र से निलंबित कर दिया गया है। शिंदे ने संवाददाताओं से कहा, ष्महाराष्ट्र के लोगों की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए विधानसभा अध्यक्ष ने उन्हें निलंबित कर दिया है।ष उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र छत्रपति शिवाजी महाराज और छत्रपति संभाजी महाराज का अपमान करने वाले किसी भी व्यक्ति को नहीं बख्शेगा। यह तो केवल पहला कदम है। उन्हें सिर्फ यह संकेत दिया गया है कि अगर उन्होंने दोबारा ऐसा कुछ किया तो महाराष्ट्र उन्हें माफ नहीं करेगा। महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने मुगल बादशाह औरंगजेब पर अपनी टिप्पणी को लेकर समाजवादी पार्टी के विधायक अबू आजमी को बुधवार को मौजूदा बजट सत्र की पूरी अवधि के लिए निलंबित कर दिया। आजमी की टिप्पणी के खिलाफ बुधवार को महाराष्ट्र विधानसभा में प्रस्ताव लाया गया। संसदीय कार्य मंत्री चंद्रकांत पाटिल ने सदन में कहा कि आजमी के आपत्तिजनक बयान से सदन की गरिमा को ठेस पहुंची है, जिसके चलते इस सत्र के लिए उनकी सदस्यता निलंबित करने का प्रस्ताव रखा गया, जिसे स्पीकर ने पारित कर दिया। आजमी ने कथित तौर पर कहा था कि औरंगजेब एक क्रूर प्रशासक नहीं था और उसने कई मंदिर बनवाए। उन्होंने कहा कि मुगल सम्राट और छत्रपति संभाजी महाराज के बीच लड़ाई राज्य प्रशासन के लिए थी, न कि हिंदू और मुस्लिम के बारे में। मुगल बादशाह औरंगजेब पर अपनी टिप्पणी को लेकर चल रहे महाराष्ट्र बजट सत्र की पूरी अवधि के लिए निलंबित किए जाने पर अबू आजमी ने निराशा व्यक्त की। मुगल बादशाह औरंगजेब पर अपनी टिप्पणी को लेकर चल रहे महाराष्ट्र बजट सत्र की पूरी अवधि के लिए निलंबित किए जाने पर अबू आजमी ने निराशा व्यक्त की।

आरएसएस नेता के बयान पर भड़के आदित्य, सीएम फडणवीस ने भी किया समर्थन

मुंबई, (एजेंसी)। तमिलनाडु में भाषा को लेकर हंगामा जारी है और अब महाराष्ट्र में भी भाषा को लेकर विवाद हो गया है। दरअसल राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के नेता भैयाजी जोशी के एक बयान से महाराष्ट्र की राजनीति गरमा गई है। हाल ही में संघ के नेता भैयाजी जोशी ने अपने एक बयान में कहा था कि जो लोग मुंबई आते हैं, उन्हें मराठी सीखने की जरूरत नहीं है। भैयाजी जोशी के इस बयान पर शिवसेना यूबीटी ने तीखा हमला बोला है। हालांकि अब आरएसएस नेता ने अपने बयान पर सफाई दी है। शिवसेना यूबीटी के नेता आदित्य ठाकरे ने भैयाजी जोशी के बयान पर कहा कि श्दूसरी जगहों से आए लोग हमारे राज्य में आते हैं और यहां बस भी जाते हैं, लेकिन यहां की भाषा मराठी है, जैसे तमिलनाडु की भाषा तमिल है और कर्नाटक की भाषा कन्नड़, उसी तरह मुंबई की भाषा मराठी है। भाजपा की विचारधारा महाराष्ट्र का अपमान करना है।श उन्होंने कहा कि श्कल सुरेश भैया जी ने कहा कि घाटकोपर की भाषा गुजराती हो सकती है, लेकिन ये बिल्कुल संभव नहीं है। मुंबई की भाषा मराठी है। इस सरकार ने मुंबई में मराठी भाषा भवन का निर्माण भी रोक दिया क्योंकि ये लोग महाराष्ट्र और मराठी भाषा का अपमान करना चाहते हैं। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने भी जोर देकर कहा कि मुंबई और महाराष्ट्र की भाषा मराठी है और जो भी यहां रहता है, उसे मराठी भाषा सीखनी चाहिए। दरअसल विधानसभा में शिवसेना यूबीटी के विधायक भास्कर जाधव ने सवाल किया था कि सरकार आरएसएस नेता सुरेश भैया जी जोशी के बयान पर अपनी स्थिति स्पष्ट करे कि मुंबई आने वाले लोगों को मराठी सीखने की जरूरत नहीं है। इस पर सीएम फडणवीस ने कहा कि श्मैंने भैयाजी जोशी का बयान नहीं सुना है, लेकिन मुंबई और महाराष्ट्र की भाषा मराठी ही है। यहां सभी को मराठी भाषा सीखनी चाहिए।श सीएम ने कहा कि हमारी सरकार अन्य भाषाओं का सम्मान करती है, लेकिन कोई भी अपनी भाषा से प्यार करता है तो उसे दूसरी भाषा को भी सम्मान देना चाहिए। स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के नेता सुरेश भैयाजी जोशी ने बृहस्पतिवार को कहा कि मराठी मुंबई की भाषा है और बाहर से आने वाले और अन्य भाषाएं बोलने वालों को भी इसे समझना चाहिए। जोशी ने कहा, मराठी मेरी मातृ भाषा है और मुझे इस पर गर्व है।

मुखबा को मिली नई उम्मीद, सीएम धामी की थपथपाई पीठ, प्रधानमंत्री के दौरा रहा खास

देहरादून, (एजेंसी)। एक दिवसीय दौरे पर मुखबा–हर्षिल पहुंचे प्रधानमंत्री, उत्तराखंड में अब घाम तापो पर्यटन, नए विजन का मंत्र दे गए। उन्होंने कहा कि ये दशक उत्तराखंड का है, प्रगति के लिए नए रास्ते खुले हैं। उनका दौरा कई मायनों में यादगार बन गया। जाते–जाते वह शीतकाली यात्रा के लिए सीएम धामी की पीठ थपथपाकर भी गए। वे देश के पहले प्रधानमंत्री हैं, जो भारत–तिब्बत सीमा से जुड़े उत्तराखंड के चमोली और पिथौरागढ़ सीमावर्ती जिलों के बाद अब उत्तरकाशी के मुखबा और हर्षिल पहुंच रहे हैं। प्रधानमंत्री के नाम एक और रिकॉर्ड दर्ज होगा। वो देश के पहले प्रधानमंत्री हैं, जो गंगा के शीतकालीन पूजा स्थल पहुंचेंगे। चारधाम शीतकालीन यात्रा का संदेश देने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार को सीमांत जिले उत्तरकाशी के गंगोत्री धाम के शीतकालीन प्रवास स्थल मुखबा और हर्षिल की यात्रा पर पहुंचे। पीएम सुबह भारतीय वायु सेना के विशेष विमान से सुबह जौलीग्रांट स्थित देहरादून एयपोर्ट पहुंचे। यहां से उन्होंने एमआई–17 से उत्तरकाशी के लिए उड़ान भरी। प्रधानमंत्री मोदी ने सबसे पहले शीतकालीन प्रवास स्थल मुखबा में दर्शन किए। उन्होंने करीब बीस मिनट तक गर्भगृह में पूजा–अर्चना की। इसके साथ ही पीएम मोदी के नाम एक रिकॉर्ड दर्ज हो गया। वह देश के पहले ऐसे प्रधानमंत्री हैं, जो मां गंगा के शीतकालीन पूजा स्थल पहुंचे। यहां उन्होंने सबसे पहले मां गंगा के शीतकालीन प्रवासस्थल मुखबा स्थित गंगा मंदिर में पूजा अर्चना की। पीएम ने 20 मिनट तक मां गंगा की विशेष पूजा अर्चना कर आशीर्वाद लिया। इसके बाद पीएम मोदी ने हर्षिल की खूबसूरत वादियों का दीदार किया। पीएम ने मुखबा मंदिर और हर्षिल व्यू प्वाइंट से वादियों का निहारा। इसके बाद पीएम ने हर्षिल में ट्रैकिंग व बाइक रैली को फ्लैग ऑफ किया। गंगा आरती के बाद प्रधानमंत्री ने हर्षिल में जनसभा को संबोधित किया। पीएम ने कहा कि यह दशक उत्तराखंड का बन रहा है। कहा कि उत्तराखंड की प्रगति के लिए नए रास्ते खुले हैं। उन्होंने शीतकालीन पर्यटन को महत्वपूर्ण कदम है। पीएम ने कहा कि धाम तापो पर्यटन उत्तराखंड के नया आमाम लेकर आएगा। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि माणा, जादूंग, टिम्मरसैंण में तेजी से पर्यटन बढ़ रहा है। ऐसी व्यवस्था करेंगे जिससे उत्तराखंड हर सीजन में ऑन सीजन रहेगा। पीएम ने सरकार से कहा कि सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर के लिए प्रतियोगिता आयोजित करें। वह उत्तराखंड के विंटर टूरिज्म पर शॉर्ट फिल्म बनाएं। जो सबसे अच्छी बनाएं उन्हें इनाम दें। इससे प्रदेश के खूबसूरत स्थलों की जानकारी ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पहाड़ से हमेशा ही प्रेम रहा है। वह यहां जब भी आते हैं तो कुछ नया जरूर करते हैं। आज वह सीमांत गांव उत्तरकाशी के मुखबा में मां गंगा की पूजा के लिए पहुंचे। पूजा के बाद उन्होंने पहाड़ी खाने का स्वाद चखा।

राहुल गांधी ने धारावी में चमड़ा उद्योग से जुड़े श्रमिकों से मुलाकात की

नई दिल्ली, (एजेंसी)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बृहस्पतिवार को मुंबई में धारावी का दौरा किया और चमड़ा उद्योग से जुड़े श्रमिकों से बातचीत की। कांग्रेस के एक नेता ने बताया कि इस यात्रा का उद्देश्य चमड़ा उद्योग के कार्यबल को पेश आने वाली चुनौतियों को समझना था। गांधी ने जिन विनिर्माण इकाइयों का दौरा किया उनमें 'चमार स्टूडियो' भी शामिल है, जिसे सुधीर राजभर ने स्थापित किया है। धारावी दुनिया के सबसे बड़े चमड़ा केंद्रों में से एक है, जिसमें 20,000 से अधिक चमड़ा विनिर्माण इकाइयां हैं, जिनमें एक लाख से अधिक कर्मचारी कार्यरत हैं। कांग्रेस नेता ने कहा, ''गांधी ने धारावी में चमड़ा उद्योग के श्रमिकों से बातचीत की और उनके मुद्दों को समझने की कोशिश की। उन्होंने वहां उद्यमियों से भी बातचीत की।'' उनके मुताबिक, दिल्ली से मुंबई पहुंचे गांधी आज राज मुंबई में ही विश्राम करेंगे और शुक्रवार सुबह अहमदाबाद के लिए रवाना होंगे। कांग्रेस नेता कहा कि शाम को मुंबई में कांग्रेस पार्टी के नेताओं के साथ कोई बैठक निर्धारित नहीं है।

अमेरिका के शुल्क लागू होने से पैदा चुनौतियों को अवसर में बदल देगी सरकार – नायडू

नई दिल्ली, (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने मंगलवार को देश के नेतृत्व पर भरोसा जताते हुए कहा कि सरकार अमेरिका द्वारा शुल्क लगाए जाने से उत्पन्न चुनौतियों को रणनीतिक लाभ में बदल देगी।

नायडू ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''कुछ समस्याएं तो हमेशा रहेंगी ही। अब मुद्दा यह है कि हम सभी समस्याओं का अपने फायदे के लिए कैसे उपयोग करें। मुझे पूरा विश्वास है कि हमारे प्रधानमंत्री बहुत सक्षम हैं। वह संकट का लाभ उठाकर उसे अवसर में बदल देंगे।'' मुख्यमंत्री की यह टिप्पणी अमेरिका द्वारा प्रमुख व्यापारिक साझेदारों पर शुल्क लगाने के फैसले के मद्देनजर आई है,

अरविंद केजरीवाल को मिलती रहेगी जेड कैटेगरी सुरक्षा मिलती रहेगी या नहीं, गृह मंत्रालय से दिल्ली पुलिस ने पूछा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली चुनाव में आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल की हार के एक महीने बाद बड़ा बदलाव होने जा रहा है। दिल्ली पुलिस की सुरक्षा इकाई ने गृह मंत्रालय से यह पूछा है कि क्या अरविंद केजरीवाल को प्रदान की गई सुरक्षा जारी रहनी चाहिए या इसमें कटौती की जानी चाहिए। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक सुरक्षा इकाई ने गृह मंत्रालय की ओर से दिल्ली पुलिस मुख्यालय को एक पत्र भेजा है, जिसमें केजरीवाल की सुरक्षा पर निर्णय लेने की मांग की गई है। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल को वर्तमान में 'जेड प्लस' सुरक्षा कवर प्राप्त है, जो खतरे की आशंका के आधार पर गृह मंत्रालय द्वारा प्रदान किया जाता है, तथा जेड श्रेणी की सुरक्षा दिल्ली पुलिस द्वारा दी जाती है। प्रोटोकॉल के अनुसार, दिल्ली के मुख्यमंत्री को जेड श्रेणी की सुरक्षा प्राप्त है, जिसे मूल्यांकन के बाद बढ़ाया जा सकता है। कई सुरक्षा खतरों के कारण, गृह मंत्रालय ने केजरीवाल को 'जेड प्लस' सुरक्षा कवर प्रदान किया था और सितंबर 2024 में सीएम पद से इस्तीफा देने के बाद भी दिल्ली पुलिस द्वारा उन्हें जेड श्रेणी की सुरक्षा दी गई थी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, ष्एमएचए के निर्देश पर सुरक्षा एजेंसियां वीआईपी या वीवीआईपी लोगों के खतरे का आकलन करती हैं। एक सूत्र ने कहा, ष्सुरक्षा इकाई

की ओर से पीएचक्यू को एक पत्र भेजा गया है, जिसमें उनके (केजरीवाल के) सुरक्षा कवर की वर्तमान स्थिति के बारे में जानकारी दी गई है और इस पर निर्णय मांगा गया है कि मौजूदा सुरक्षा स्थिति जारी रहनी चाहिए या घटाई जानी चाहिए। पत्र का हवाला देते हुए सूत्र ने कहा कि यह पत्र फिलहाल पीएचक्यू में है और आने वाले दिनों में इसे गृह मंत्रालय को भेजे जाने की संभावना है। एक सूत्र ने बताया कि केजरीवाल के सुरक्षा कवर पर पत्र के साथ ही गृह मंत्रालय को एक और पत्र भेजा जा रहा है, जिसमें पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी के जेड श्रेणी सुरक्षा कवर के बारे में जानकारी दी गई है और पूछा गया है कि क्या मौजूदा सुरक्षा स्थिति जारी रखी जाए या घटाई जाए। टिप्पणी के लिए संपर्क किए जाने पर, दिल्ली पुलिस मुख्यालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने पुष्टि की कि ये पत्र इसलिए भेजे जा रहे हैं क्योंकि ये सुरक्षा कवर मूल रूप से उन विभागों के साथ आते हैं जो व्यक्ति संभालते हैं। अधिकारी ने कहा कि अब चूंकि वे इन विभागों के पास नहीं हैं, इसलिए पत्र गृह मंत्रालय को भेजे जाने चाहिए।

संपादकीय

पंजाब में उबाल

भारतीय किसान यूनियन के एक घटक द्वारा चंडीगढ़ में नये सिरे से आंदोलन शुरू करने की चेतावनी के बाद पुलिस–प्रशासन की सख्ती से बुधवार को सामान्य जीवन व यातायात बुरी तरह से प्रभावित हुआ। चंडीगढ़ से लगते इलाकों में पुलिस के अवरोधों के चलते वाहन घंटों जाम में फंसे रहे। पुलिस आंदोलनकारियों से निबटने के लिये सख्त बनी रही और कई किसान नेताओं को गिरफ्तार किया गया। चंडीगढ़ के अनेक प्रवेश मार्गों को सील किया गया था और भारी संख्या में सुरक्षा बलों को तैनात किया गया था। संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान पर शुरू हुए आंदोलन से उपजे हालात पर आम लोग कहते रहे कि जाम किसानों की तरफ से है या सरकार की तरफ से। दरअसल, पंजाब जो लंबे समय से कृषि क्षेत्र में उदार दृष्टिकोण रखने वाला राज्य रहा है, तंत्र की संवेदनहीनता और शासन की सख्ती के चलते अशांत नजर आता है। भगवंत मान के नेतृत्व वाली आम आदमी पार्टी की सरकार, जिसे कभी बदलाव का अग्रदूत कहा जाता था, अब खुद को प्रमुख हितधारकों– किसानों, राजस्व अधिकारियों और नौकरशाही के साथ उलझी हुई पा रही है। ऐसे में सवाल उठता है कि कहां कमी रही कि कृषि क्षेत्र अशांत बना हुआ है। समय रहते किसानों की मांगों को पूरा न किए जाने और कारगर समाधान के लिये परामर्श न मिल पाने से निराश किसान यूनियनों ने नये सिरे से विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया है। जिसकी परिणति 'चंडीगढ़ चलो मार्च' के रूप में सामने आई है। किसान नेता आरोप लगा रहे हैं कि किसानों की समस्याओं के समाधान पर संवेदनशील रवैया अपनाने के बजाय दमनात्मक कदम उठाये जा रहे हैं। जिसे वे देर रात छापेमारी करके किसान नेताओं की गिरफ्तारी और चंडीगढ़ की सीमाएं सील करने के रूप में देख रहे हैं। किसान नेता आरोप लगा रहे हैं कि मुख्यमंत्री मान ने किसानों की बैठक में से नाटकीय ढंग से वॉकआउट करके अपनी हताशा को ही जाहिर किया है। वहीं दूसरी ओर मुख्यमंत्री का कहना है कि पंजाब में किसान संगठनों में आंदोलन करने की होड़ मची है। उन्होंने दुख जताते हुए कहा कि पंजाब धरनों का राज्य बनता जा रहा है। उनका कहना है कि सरकार भ्रष्टाचार के खिलाफ जोरदार जंग लड़ रही है। सरकार ने किसानों के हितों की रक्षा के लिये तहसीलदारों, नायब तहसीलदारों सहित पंद्रह राजस्व अधिकारियों को निलंबित किया है। साथ ही अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन न करने वाले कई अन्य अधिकारियों का तबादला किया गया है। जिसके विरोध में राजस्व अधिकारियों ने तल्ख प्रतिक्रिया व्यक्त की। जिसके प्रत्युत्तर में राजस्व अधिकारियों ने सामूहिक अवकाश लेने का विकल्प चुना। जिसके चलते प्रशासनिक काम बुरी तरह प्रभावित हुआ। हालांकि, बुधवार शाम उन्होंने अपनी हड़ताल वापस ले ली है। वैसे एक हकीकत यह भी है कि भले ही सरकार सख्त रवैया अपनाते हुए अनुशासनात्मक कार्रवाई के जरिये अपनी ताकत दिखा सकती है, लेकिन प्रणालीगत भ्रष्टाचार और नौकरशाही की नाराजगी की गहरी गुत्थी अभी भी अनसुलझी है। सवाल उठाया जा रहा है कि सरकार की यह सख्ती क्या हताशा का पर्याय है? वहीं प्रशासन का तर्क है कि लगातार हो रहे विरोध प्रदर्शन से बड़े निवेशक पंजाब में निवेश करने से कतरा रहे हैं।

कुपोषण से जंग जीतकर ही बनेगा विकसित भारत

विश्वनाथ सचदेव

कहते हैं राजनीति की दुनिया में कुछ भी कहा जा सकता है। इस दुनिया के हर प्राणी को यह विशेषाधिकार मिला हुआ है कि वह जो चाहे बोले, जो चाहे दावे करे। खास तौर पर चुनावों के मौकों पर तो कुछ भी कहने, दावा करने का यह अधिकार खूब काम में लिया जाता है। इस बात की एक विशेषता यह भी है कि राजनेताओं के कथनों–दावों की सत्यता की कोई शिनाख्त नहीं होती। जो नेता बोले, सो सच! होता यह भी है कि नेता इन दावों–बातों को अक्सर भूल जाते हैं। कहना चाहिए, जान–बूझकर भुला दिया जाता है। फिर अगला चुनाव आ जाता है। फिर नये दावे, नयी बातें। कई बार तो ऐसा भी होता है कि एक चुनाव में एक नेता जो बोलता है, वैसा ही कुछ दूसरे चुनाव में दूसरा नेता बोल जाता है। मजे की बात यह है कि इसे भी राजनीति की एक जरूरत के रूप में स्वीकार कर लिया गया है। यह सारी बातें जो आज याद आ रही हैं उनका रिश्ता मखानों से है। वैसे यह रिश्ता किसी भी 'नायाब' चीज से हो सकता है, पर फिलहाल यह सब मखानों के संदर्भ में याद आ रहा है। सब जानते हैं कि मखाने बहुत पौष्टिक होते हैं। सामान्यतः बड़े लोग, यानी धनी लोग ही इसका सेवन कर पाते हैं। वैसे, अक्सर उपवास आदि में ही मखाने ज्यादा खाये जाते हैं। ज्ञातव्य यह भी है कि मखाने मुख्य भोजन नहीं होते, नाश्ते के रूप में या नमकीन के रूप में ही इसका उपयोग हो पाता है। ऐसा इसलिए कि मखाना एक महंगा पदार्थ है। सुना है, बाजार में इसका भाव पंद्रह सौ से लेकर दो हजार रुपये प्रति किलो है। थोक भाव कुछ कम होता होगा।

तो जैसा कि सब जानते हैं, यह बहुत महंगा और बहुत पौष्टिक आहार है। अब तो सब यह भी जान गये होंगे कि हमारे प्रधानमंत्री जी को यह आहार बहुत पसंद है। हाल ही में जब वह आगामी चुनावों के संदर्भ में प्रचार करने के लिए बिहार गये थे तो वहां एक विराट जनसभा में उन्होंने बताया था कि वे साल के 365 दिनों में से 300 दिन तो वह मखाना खाते ही हैं। उनके अच्छे स्वास्थ्य का एक कारण यह आहार भी हो सकता है। उस सभा में प्रधानमंत्री ने यह भी बताया कि दुनिया के बाजार में इसकी मांग बढ़ती जा रही है। हमारे देश में बिहार राज्य में इसकी सर्वाधिक पैदावार है। देश में मखाने की उपज का लगभग 35 प्रतिशत बिहार में ही होता है। कहते हैं 25–30 हजार किसान परिवार इस खेती से जुड़े हैं। प्रधानमंत्री चाहते हैं कि मखाने की मांग को ध्यान में रखते हुए हमारे बिहार के किसान भी इससे लाभ उठाएंदृ उन्होंने कहा है, 'अब मखाने को दुनिया के बाजार तक पहुंचाना है।' उस सभा में तालियां बजाकर प्रधानमंत्री की इस बात का स्वागत किया गया था। तबसे देशी बाजार में भी मखाना चर्चा में है। अब इसे 'सुपरफूड' भी कहा जाता है। अंग्रेजी के इस विशेषण से हमारा मखाना और महत्वपूर्ण हो गया है! इस सुपरफूड की चर्चा देश के मुख्य धारा के समाचार–चौनलों में खूब हुई है। चर्चा सोशल मीडिया पर भी हो रही है, पर वहां स्वर कुछ अलग है। वहां इस बात पर हैरानी तो व्यक्त नहीं की जा रही, पर यह जरूर कहा जा रहा है कि इतना महंगा 'सुपरफूड' प्रधानमंत्री ही, या फिर उनका मित्र–परिवार भी, साल में 365 में से 300 दिन ही तक खा सकता है! सवाल यह भी पूछा जा रहा है कि जिस देश में 80 करोड़ आबादी को मुफ्त अनाज देकर पेट भरवाना पड़ रहा हो, वहां का आम आदमी इतना महंगा 'सुपरफूड' कैसे खा सकता है? बहरहाल, आज भले ही यह दावा किया जा रहा हो कि 21वीं सदी भारत की है और 2047 तक हमारा भारत एक विकसित देश बन जाएगा, पर आज की स्थिति तो यही है कि हमारे देश में जनसंख्या के एक बड़े हिस्से को पर्याप्त भोजन नहीं मिल पा रहा। वर्ष 2024 के ही एक सर्वेक्षण के अनुसार 'भुखमरी इंडेक्स' में दुनिया के 127 देशों में हमारा स्थान 105वां है। 'ग्लोबल हंगर इंडेक्स' के इस आंकड़े से स्पष्ट है कि भले ही हम यह दावा करते फिरें कि हमारा भारत जल्द ही विकसित राष्ट्रों की श्रेणी में आ जायेगा, पर हकीकत यह है कि अभी हम अपनी भूख मिटाने लायक भी नहीं बने हैं। जल्दी ही हम विकासशील देश से विकसित राष्ट्र बन जायें, यह कौन नहीं चाहेगा, पर चाहना हमें यह भी होगा कि वह दिन शीघ्र आये जब देश की आम जनता भी मखाना जैसा महंगा अनाज खा सके। मखाने का स्वाद उसे भी पता हो। अभी तो यह बात एक खुशफहमी ही लगती है। हमें इस बात को भी नहीं भुलाना होगा कि वर्ष 2025 के एक सर्वेक्षण के अनुसार हमारे देश में 28 राज्यों में बच्चे कुपोषण के शिकार हैं। देश के लगभग एक–तिहाई बच्चों के शरीर में खून की कमी है। महिलाओं की स्थिति इन बच्चों से भी बुरी है। 'नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे' में यह देखने को मिला है कि 15 से 50 साल

तक की लड़कियों–महिलाओं की आधी से ज्यादा आबादी रक्त की कमी से पीड़ित है। 29 प्रतिशत पुरुष भी खून की कमी के शिकार हैं। यह आंकड़े और यह स्थिति हमें जागरूक करने वाली होनी चाहिए। सवाल गरीबों–अमीरों या गरीबी–अमीरी का नहीं है, सवाल समस्या की तह तक पहुंच कर उचित समाधान को तलाश करने का है। 'सुपरफूड' को दुनिया के बाजारों में पहुंचा कर बिहार के किसान की बेहतरी की दिशा में कदम बढ़ाना कतई गलत नहीं है। देश में उत्पन्न होने वाले मखाने में से 35 प्रतिशत बिहार में होता है। इसका अर्थ यह है कि मखाना–बाजार से होने वाले लाभ में बिहार के किसान का हिस्सा अच्छा–खासा होगा। यह स्वागत–योग्य स्थिति है। यह बात भी कहीं न कहीं मन में आ सकती है कि देश का आम नागरिक कब मखाने का स्वाद चख पायेगा? नेतृत्व का बोला गया हर शब्द महत्वपूर्ण होता है। उम्मीद की जाती है कि नेतृत्व द्वारा चाहे वह सत्ता पक्ष का हो या फिर विपक्ष कादृ बोला जाने वाला हर शब्द तौल कर बोला गया है। उम्मीद जगाना अच्छी बात है, जरूरी भी है, पर उम्मीद भी बेबुनियाद नहीं होनी चाहिए। पिछले साठ–सत्तर सालों में देश में बहुत कुछ ऐसा हुआ है जिस पर गर्व किया जा सकता है। पर यह बहुत कुछ पर्याप्त 'बहुत' नहीं है। अभी और बहुत कुछ करना है हमें। आज हम जहां हैं वहां पहुंचने का श्रेय राह में उठाये गये हर कदम को है। पहला कदम जब उठता है तो मंजिल एक कदम नजदीक आ जाती है। जरूरत हर कदम को मजबूती से टिकाने की है। ठोस इरादों के लिए कोई मंजिल दूर नहीं होती। मंजिल की इस दूरी को पार करने के लिए इरादों की ईमानदारी भी जरूरी है। अक्सर हमारे नेता ईमानदार इरादों की बात करते हैं। यह ईमानदारी लगातार झलकनी चाहिए। नेता यह कह सकता है कि वह सच बोल रहा है। पर यह सचाई भी चुनाव–दर–चुनाव की नहीं होनी चाहिए। बिहार में मखाना पर्याप्त होता है, इसका लाभ वहां के किसानों को मिलना चाहिए। पर यह स्थिति लाने के लिए किसी चुनावी समय की जरूरत नहीं होनी चाहिए। चुनाव आयें तो हम मखाने की बात करें, लिट्टी–चोखे की बात करें, मखाने और लिट्टी–चोखे से अपने रिश्ते की बात करके रिश्तों की महत्ता बखाने, यह कोई अच्छी स्थिति नहीं है। अच्छी स्थिति तब बनेगी जब मखाने की खेती करने वाले किसान को यह लगेगा कि वह भी 365 दिन में से 300 दिन मखाना खा सकता है। तब उसका स्वास्थ्य सुधरेगा, तब देश का स्वास्थ्य बनेगा। तब हमारी राजनीति भी शायद कुछ स्वस्थ बने।

.....स्वास्थ्य.....

मौसम बदलते ही पेट में हो रही है परेशानी? इन आसान उपायों से पाचन को बनाएं एकदम फिट

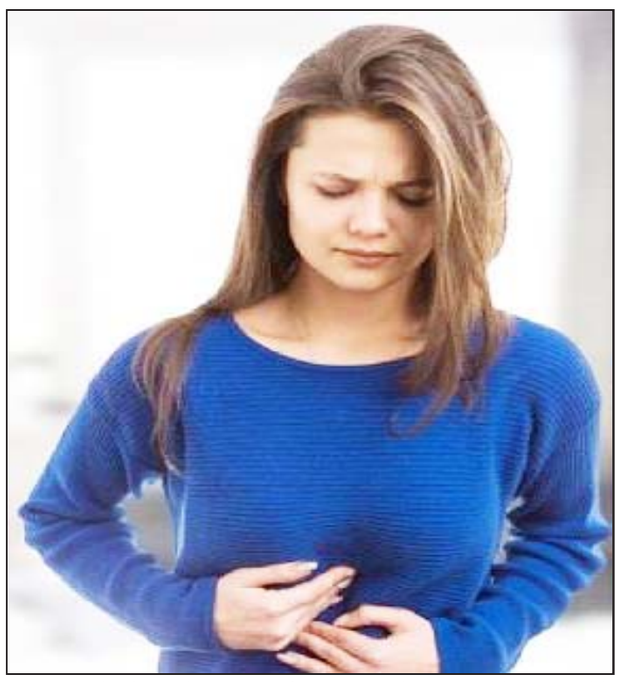

बदलते मौसम के कारण कई लोग पेट की समस्याओं का सामना करते हैं। यदि आप भी मौसम बदलने पर पेट खराब होने की समस्या से जूझ रहे हैं, तो इसका कारण आपके पाचन तंत्र में बदलाव हो सकता है। इस समस्या से राहत पाने के लिए आपको अपने खानपान में कुछ खास बदलाव करने होंगे। अगर आपको पाचन अच्छा करना है, तो आपको अपने आहार में पोषण से भरपूर खाद्य पदार्थों को शामिल करना होगा। सिर्फ आहार में सुधार ही नहीं, बल्कि सही समय पर सही आहार लेने से भी पाचन तंत्र को मजबूत किया जा सकता है। आइए जानते हैं कुछ ऐसे खाद्य पदार्थों के बारे में जो आपके पाचन को बेहतर बना सकते हैं।

पोषक तत्वों से भरपूर फूड आइटम

शुगर और व्यसल खानें से बचें

बदलते मौसम में शुगर और तैलीय भोजन पाचन को और भी अधिक खराब कर सकते हैं। इनसे पेट में जलन, गैस, और अपच जैसी समस्याएं बढ़ सकती हैं। तले–भुने खाद्य पदार्थों से बचें और हल्का भोजन करें।

हल्दी का सेवन

हल्दी में एंटी–इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं, जो पेट के विकारों को दूर करते हैं। यह पाचन तंत्र को साफ और मजबूत करता है। हल्दी का एक चम्मच शहद के साथ लेने से पेट के संक्रमण और सूजन में राहत मिलती है। आप इसे दूध में डालकर भी पी सकते हैं।

ताजे फल और सब्जियां

ताजे फल और सब्जियां पाचन के लिए बहुत फायदेमंद हैं। इनमें विटामिन, मिनरल्स और फाइबर की भरपूर मात्रा होती है, जो पाचन तंत्र को स्वस्थ रखते हैं। इनमें से खासतौर पर सेब, गाजर, और पालक को अपनी डाइट में शामिल करें। ये न केवल पेट को साफ करते हैं, बल्कि शरीर को भी पोषण प्रदान करते हैं।

केले

केले में पेक्टिन नामक फाइबर होता है, जो कार्बोहाइड्रेट के पाचन को नियंत्रित करता है। यह आंत के लिए भी लाभकारी होता है, क्योंकि इसमें प्रोबायोटिक्स होते हैं, जो आंत में अच्छे बैक्टीरिया को बढ़ावा देते हैं। यह आंत के स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद है।

ओट्स

ओट्स में फाइबर की अच्छी मात्रा होती है और इसमें कैलोरी कम होती है। ओट्स पाचन तंत्र को सही तरीके से काम करने में मदद करते हैं और अपशिष्ट पदार्थों को बाहर निकालने में सहायक होते हैं। ओट्स में फास्फोरस, विटामिन ई और जिंक भी पाए जाते हैं, जो शरीर के लिए महत्वपूर्ण पोषक तत्व हैं।

दही

दही का सेवन पेट की खराबी में राहत देने वाला घरेलू उपाय है। यह प्रोबायोटिक्स का एक समृद्ध स्रोत है, जो आंत में स्वस्थ बैक्टीरिया के संतुलन को बनाए रखने में मदद करता है। इससे पाचन आसान होता है और पेट की समस्याएं कम होती हैं।

अदरक

अदरक का उपयोग पेट की समस्याओं जैसे सूजन, मतली और दस्त में किया जा सकता है। यह भोजन को पेट से आंतों तक जल्दी पहुंचाने में मदद करता है और पाचन प्रक्रिया को बेहतर बनाता है।

पुदीना

पुदीना अपच के लक्षणों को कम करने में मदद करता है। इसे आप सलाद और फलों में स्वाद बढ़ाने के लिए इस्तेमाल कर सकते हैं। पुदीना पाचन को ठीक करने में सहायक है और पेट में आराम पहुंचाता है।

हर्बल चाय का सेवन

हर्बल चाय, जैसे पुदीना, अदरक, और कैमोमाइल चाय, पाचन को बेहतर बनाने में मदद करती हैं। ये चाय शरीर को आराम देती हैं और पेट में सूजन, गैस, या दर्द को कम करती हैं। आप इन्हें दिन में एक से दो बार ले सकते हैं।

स्वस्थ आहार और लाइफस्टाइलरू खाने का समय और तरीका भी पाचन पर असर डालते हैं। सही समय पर भोजन और हल्का भोजन पाचन को बेहतर बनाता है।

व्यायाम और योगरू हर रोज व्यायाम करने से पाचन तंत्र मजबूत होता है और पेट संबंधी समस्याएं कम होती हैं। योग भी पेट के लिए फायदेमंद होता है।

पथरी के दर्द से छुटकारा दिला सकती हैं 2 चीज

पथरी की समस्या एक गंभीर स्वास्थ्य समस्या बन सकती है, लेकिन इसका दर्द इतना ज्यादा होता है कि सहन करना मुश्किल हो जाता है। यह समस्या समय के साथ और भी बढ़ सकती है, और कुछ मामलों में तो ऑपरेशन भी करना पड़ता है। अगर आपने कभी पथरी का दर्द झेला है या किसी को इस समस्या का सामना करते देखा है, तो आप जानते होंगे कि यह कितना कष्टकारी हो सकता है। लेकिन चिंता मत कीजिए! आयुर्वेदिक उपायों के जरिए पथरी से राहत पाई जा सकती है। इस आर्टिकल में हम आपको कुछ आसान और असरदार उपाय बताएंगे, जो पथरी के दर्द से आराम दिलाने में मदद कर सकते हैं।

पथरी के दर्द से राहत पाने के उपाय

जौ का पानी

जौ का पानी पथरी के इलाज में बहुत लाभकारी साबित हो सकता है। यह न केवल पथरी को बाहर निकालने में मदद करता है, बल्कि यह शरीर के विषैले तत्वों को भी बाहर निकालता है।

जौ का पानी बनाने का तरीकारू एक मुट्ठी जौ लें। दो गिलास पानी में जौ डालकर उबालें। जब पानी एक गिलास रह जाए, तो इसे छान लें। इस पानी को पूरे दिन घूंट–घूंट करके पिएं। जब पथरी निकल जाए, तो इसे हफ्ते में 1–2 बार पिएं।

कुल्थी की दाल

कुल्थी की दाल एक सामान्य खाद्य पदार्थ होते हुए भी पथरी के इलाज में प्रभावी है। डॉक्टरों के अनुसार, कुल्थी की दाल का सेवन कैल्शियम ऑक्सालेट पथरी के खतरे को कम करता है।

कुल्थी की दाल का सेवनरू हफ्ते में 2 से 3 बार कुल्थी की दाल का सेवन करें। इसे सामान्य दाल की तरह बना सकते हैं और अपने आहार में शामिल कर सकते हैं।

पथरी के होने के कारण

पथरी होने के कई कारण हो सकते हैं। नेशनल किडनी फाउंडेशन के अनुसार, ये कारण पथरी की समस्या को बढ़ा सकते हैं

कम पानी पीना– अगर शरीर में पानी की कमी हो, तो किडनी में पथरी बनने की संभावना बढ़ जाती है।

अत्यधिक या कम एक्सरसाइजरू बहुत ज्यादा या बहुत कम व्यायाम करने से शरीर में मेटाबॉलिज्म पर असर पड़ता है, जिससे पथरी बन सकती है।

मोटापा– मोटे लोग पथरी के जोखिम में ज्यादा होते हैं।

वेट लॉस सर्जरीरू वजन घटाने के लिए सर्जरी कराने से भी पथरी का खतरा बढ़ सकता है।

चीनी और नमक का अधिक सेवनरू अगर किसी व्यक्ति की डाइट में बहुत ज्यादा चीनी और नमक हो, तो वह पथरी के विकास में मदद कर सकता है।

पथरी के प्रकार

कैल्शियम ऑक्सालेट– यह पथरी सबसे सामान्य प्रकार की होती है और यह भोजन में मौजूद कैल्शियम और ऑक्सालेट के कारण बनती है।

यूरिक एसिडरू यह पथरी यूरिक एसिड के अधिक बनने के कारण होती है, जो मुख्य रूप से मांसाहारी आहार से जुड़ी होती है।

स्ट्रूवाइट– यह पथरी संक्रमण के कारण बनती है और यह महिलाओं में ज्यादा देखी जाती है।

सिस्टाइन– यह पथरी एक जेनेटिक बीमारी के कारण होती है और इसमें परिवारों में यह समस्या अधिक देखी जाती है।

पथरी का इलाज समय पर करना बेहद जरूरी है। अगर आपको पथरी के लक्षण महसूस हो रहे हैं, तो तुरंत विशेषज्ञ से संपर्क करें और उचित उपचार प्राप्त करें।

अचानक ब्लड प्रेशर हाई हो जाए तो इन तरीकों से करें कंट्रोल

ब्लड प्रेशर का अचानक बढ़ जाना, जिसे हाइपरटेंशन कहते हैं, एक गंभीर स्वास्थ्य समस्या हो सकती है। यह शरीर के रक्त वाहिकाओं पर दबाव डालता है, जिससे दिल, गुर्दे, और मस्तिष्क पर बुरा असर पड़ सकता है। कभी–कभी यह समस्या बिना किसी चेतावनी के होती है, और अगर तुरंत कंट्रोल न किया जाए तो यह जानलेवा साबित हो सकती है। यदि आपका ब्लड प्रेशर अचानक हाई हो जाए, तो आपको तुरंत ध्यान देना चाहिए और कुछ उपायों को अपनाकर इसे ब्वदजतवस करने की कोशिश करनी चाहिए।

इस आर्टिकल में हम आपको उन कुछ कारगर तरीकों के बारे में बताएंगे, जिनसे आप अचानक हाई हुए ब्लड प्रेशर को कंट्रोल कर सकते हैं।

गहरी सांस लें

जब भी आपका ब्लड प्रेशर अचानक बढ़ जाए, तो गहरी सांस लेना सबसे पहले और सबसे प्रभावी उपाय हो सकता है। यह तकनीक आपके शरीर को शांत करने में मदद करती है और तनाव को कम करती है, जो ब्लड प्रेशर को बढ़ा सकता है। गहरी सांस लेने से रक्त वाहिकाओं में रक्त का प्रवाह सामान्य हो सकता है और रक्तचाप नियंत्रित हो सकता है।

कैसे करेंरू आराम से बैठें और अपनी आंखें बंद करें। गहरी सांस लें, नाक से धीरे–धीरे और गहरी सांस लें, फिर मुंह से धीरे–धीरे बाहर छोड़ें।इस प्रक्रिया को 5–10 मिनट तक दोहराएं।

पानी पीना

पानी का सेवन ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करने में मदद कर सकता है, क्योंकि इससे शरीर हाइड्रेटेड रहता है और रक्त वाहिकाओं में रक्त का प्रवाह सही रहता है। जब शरीर में पानी की कमी होती है, तो ब्लड प्रेशर बढ़ने का खतरा होता है। इसलिए हाई ब्लड प्रेशर के दौरान पानी पीने से राहत मिल सकती है।

अगर आपका ब्लड प्रेशर अचानक बढ़ जाए, तो तुरंत एक गिलास पानी पीने की कोशिश करें। अगर शरीर में पानी की कमी है, तो ज्यादा पानी पिएं ताकि शरीर हाइड्रेटेड रहे।

लौंग और शहद का सेवन

लौंग और शहद का मिश्रण ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में सहायक हो सकता है। लौंग में प्राकृतिक एंटीऑक्सीडेंट होते हैं, जो रक्त परिसंचरण को बेहतर बनाने में मदद करते हैं। शहद, रक्त वाहिकाओं को साफ रखने और रक्त के प्रवाह को नियंत्रित करने में मदद करता है।

एक गिलास गर्म पानी में 2–3 लौंग डालें और उसमें एक चम्मच शहद मिलाकर पिएं। इसे रोजाना सुबह खाली पेट सेवन करें।

हल्का वॉक

हल्की दौड़ या वॉक करने से शरीर में रक्त प्रवाह सुधरता है और शरीर को आराम मिलता है। यह ब्लड प्रेशर को कम करने के लिए एक स्वाभाविक तरीका है, क्योंकि यह हृदय को मजबूत करता है और शरीर को अधिक ऑक्सीजन की आपूर्ति करता है।

यदि आपके पास समय हो, तो आराम से बाहर थोड़ी देर के लिए चलने जाएं।

अगर बाहर जाना मुश्किल हो, तो घर के भीतर ही हल्का वॉक करें या किसी जगह पर खड़े होकर पैर हिलाएं।

किताबों को अपने जीवन से जोड़े रखे– प्रो. वंदना सिंह

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर. कुलाधिपति एवं राज्यपाल उत्तर प्रदेश श्रीमती आनंदीबेन पटेल के निर्देश के क्रम में वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर एवं सम्बद्ध महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गाँव में शुक्रवार को ष्पढ़े विश्वविद्यालय,बढ़े विश्वविद्यालय एवं पढ़े महाविद्यालय, बढ़े महाविद्यालयष कार्यक्रम का आयोजन हुआ. इसके साथ ही विश्वविद्यालय के मुक्तांगन में दहेज मुक्त एवं नशा मुक्त भारत के लिए कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने विश्वविद्यालय के शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों को प्रतिज्ञा दिलाई.

कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने कहा कि किताबें न केवल शिक्षा का एक स्रोत हैं, बल्कि हमारे मानसिक विकास, सोचने की क्षमता और व्यक्तित्व निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं. उन्होंने कहा कि इन्टरनेट के इस दौर में भी किताबों का अपना एक अलग महत्व है. किताबों से हमें ज्ञान मिलता है और नए विचार और दृष्टिकोण से परिचित भी होते है. किताबों को अपने जीवन से जोड़े रखे. कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने कुलपति सभागार में अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ समय किताब पढ़ी. इसी क्रम में विश्वविद्यालय के विज्ञान, अनुप्रयुक्त सामाजिक विज्ञान संकाय, प्रबंध अध्ययन संकाय, फार्मेसी, विधि संकाय और इंजिनीयरिंग संकाय के विभागों में दिन में 11बजे से 12 बजे तक शिक्षकों और विद्यार्थियों ने किताब पढ़ी. विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन के भी विभिन्न विभागों में कर्मचारियों ने किताब पढ़ी. कार्यक्रम की संयोजक डॉ जान्हवी श्रीवास्तव ने बताया कि इस बार विद्यार्थियों को आकृतियों में भी बैठा कर किताबें पढ़ाई गई. प्रबंध अध्ययन संकाय में संकाय के नाम की आकृति, संकाय भवन में डीएनए, रज्जू भईया संसथान में पुस्तक, मुक्तांगन में भारत माता एवं फार्मेसी संस्था में ओम लिखी आकृति में भी विद्यार्थियों को किताब पढ़ने के लिए बैठाया गया था. विभिन्न गतिविधियों का संयोजन डॉ. अनुराग मिश्र एवं डॉ. शशिकांत ने किया. विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम की विविध गतिविधियों में कुलसचिव महेंद्र कुमार, परीक्षा नियंत्रक डॉ. विनोद कुमार सिंह, प्रो. अजय द्विवेदी, प्रो राम नारायण, प्रो. राजेश सिंह., प्रो. वीडी शर्मा, डॉ. माया सिंह, डॉ. आशुतोष सिंह, डॉ. आलोक गुप्त, डॉ. ऋषिकेश, डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर, डॉ. चन्दन सिंह, मनोज पाण्डेय, डॉ. नितेश जायसवाल, डॉ. प्रमेन्द्र विक्रम सिंह, डॉ. प्रियंका सिंह समेत शिक्षक, कर्मचारी और विद्यार्थी शामिल रहे. विश्वविद्यालय ने कार्यक्रम को सकुशल संपन्न कराने के लिए पर्यवेक्षकों को भी नियुक्त किया था. इसमें प्रो. मानस पाण्डेय, प्रो. मनोज मिश्र, प्रो. अशोक कुमार श्रीवास्तव, प्रो. अविनाश पाथर्डीकर, प्रो. अजय प्रताप सिंह, प्रो. राजेश शर्मा, प्रो. रवि प्रकाश, उप कुलसचिव बबिता सिंह, श्री अमृत लाल को जिम्मेदारी दी गई थी. गाजीपुर पीजी कॉलेज के प्राचार्य प्रो.राघवेन्द्र कुमार पाण्डेय को गाजीपुर का समन्वयक बनाया गया था.

खादू श्याम गिफ्ट आइटम एक अनोखा और पवित्र उपहार है-विनोद माहेश्वरी

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। चौक सर्राफा एसोसिएशन के महामन्त्री सर्राफा व्यवसायी विनोद माहेश्वरी ने बताया कि खादू श्याम जी एक प्रसिद्ध हिंदू तीर्थ स्थल है, जो राजस्थान के सीकर जिले में स्थित है। यह स्थल भगवान श्याम जी को समर्पित है, जो भगवान कृष्ण के अवतार माने जाते हैं। खादू श्याम जी के भक्तों के लिए एक अनोखा और पवित्र गिफ्ट आइटम है चांदी और 24बज गोल्ड प्लेटेड खादू श्याम गिफ्ट आइटम। चांदी और 24बज गोल्ड प्लेटेड खादू श्याम गिफ्ट आइटम की विशेषताएं चांदी और 24बज गोल्ड प्लेटेड खादू श्याम गिफ्ट आइटम एक अनोखा और पवित्र उपहार है, जो खादू श्याम जी के भक्तों के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण है। इस गिफ्ट आइटम की कुछ विशेषताएं हैं – चांदी और 24बज गोल्ड प्लेटेडरू यह गिफ्ट आइटम चांदी और 24बज गोल्ड प्लेटेड है, जो इसकी गुणवत्ता और सुंदरता को बढ़ाता है। – खादू श्याम जी की मूर्तिरू इस गिफ्ट आइटम में खादू श्याम जी की मूर्ति है, जो बहुत ही सुंदर और आकर्षक है। – पवित्र और आध्यात्मिकरू यह गिफ्ट आइटम पवित्र और आध्यात्मिक है, जो खादू श्याम जी के भक्तों के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण है। चांदी और 24बज गोल्ड प्लेटेड खादू श्याम गिफ्ट आइटम के फायदे चांदी और 24बज गोल्ड प्लेटेड खादू श्याम गिफ्ट आइटम के कई फायदे हैं – पवित्र और आध्यात्मिक उपहाररू यह गिफ्ट आइटम पवित्र और आध्यात्मिक है, जो खादू श्याम जी के भक्तों के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण है। – सुंदर और आकर्षक– यह गिफ्ट आइटम सुंदर और आकर्षक है, जो इसकी गुणवत्ता और सुंदरता को बढ़ाता है। – गुणवत्तापूर्णरू यह गिफ्ट आइटम गुणवत्तापूर्ण है, जो इसकी लंबी उम्र और स्थायित्व को बढ़ाता है। चांदी और 24बज गोल्ड प्लेटेड खादू श्याम गिफ्ट आइटम एक अनोखा और पवित्र उपहार है, जो खादू श्याम जी के भक्तों के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण है। यह गिफ्ट आइटम पवित्र और आध्यात्मिक है, जो खादू श्याम जी के भक्तों के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण है। यह गिफ्ट आइटम सुंदर और आकर्षक है, जो इसकी गुणवत्ता और सुंदरता को बढ़ाता है।

प्राथमिक विद्यालय में हुई चोरी

सुलतानपुर । लम्भुआ कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत नगर पंचायत में स्थित प्राथमिक विद्यालय शाहपुर पूरन में स्मार्ट क्लास विकसित करने के लिए नगर पंचायत से विद्यालयों में स्मार्ट टीवी इनवर्टर साउंड प्रिंटर जैसी चीजें विद्यालय में लगाई गई थी बीती रात चोरों ने विद्यालय का ताला तोड़कर इंवर्टर बैटरी प्रिंटर साउंड सिस्टम आदि सामग्री उठा ले गए सुबह विद्यालय समय पर पहुंची प्रअ अनीता उपाध्याय ने कोतवाली पुलिस लम्भुआ को दी सूचना सूचना पर पहुंची पुलिस मामले की जांच कर कार्रवाई में जुटी हुई है।

संदिग्ध परिस्थितियों में किशोर की मौत

सुलतानपुर, चाय की दुकान में बेंच पर मृत अवस्था में मिला किशोर नाक से निकल रहा खून शरीर पर नहीं कोई चोट का निशान राजन पांडेय निवासी चौनापुर थानाघ गोसाईगंज के रूप में हुई मृतक की पहचान गोसाईंगंज थानाक्षेत्र के मोतीगंज स्थित चाय की दुकान पर मिला शव प्रभारी निरीक्षक अखिलेश सिंह बोले शव का पंचनामा करके भेजा गया मर्चरी पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर होगी अग्रिम कार्यवाही।

उत्तर प्रदेश युवा खेल एवं कल्याण विभाग के संयोजन में वेट लिफ्टिंग प्रतियोगिता सम्पन्न

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। झांसी में आयोजित मेजर ध्यानचंद स्टेडियम के प्रांगण में युवा खेल एवं कल्याण विभाग द्वारा जूनियर वेटलिफ्टिंग प्रतियोगिता का आयोजन हुआ जिसमें लखनऊ केडी सिंह बाबू स्टेडियम के वेट लिफ्टिंग खिलाड़ियों ने बढ़ चढ़कर भाग लेकर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। बालिका वर्ग

मे सपना ने 45 किलोग्राम में कांस्य पदक जीता, 49 किलोग्राम में दीक्षा सिंह ने स्वर्ण पदक जीता, 59 किलोग्राम में उमा सिंह ने स्वर्ण पदक जीता वहीं बालक वर्ग 73 किलोग्राम में सतपाल मौर्य ने कांस्य पदक जीता। इस उपलब्धि के लिए उप खेल निदेशक उत्तर प्रदेश श्याम सुंदर मिश्रा, क्षेत्रीय क्रीड़ा अधिकारी अनिमेष सक्सेना, उप क्रीड़ा अधिकारी अरविंद कुशवाहा, वेटलिफ्टिंग कोच जीपी शर्मा, जीएस तिवारी गुरुजी, लखनऊ वेटलिफ्टिंग संघ के सचिव रणजीत सिंह, संजीव गोसाई, संजय त्रिपाठी तथा शत्रुघ्न लाल आदि खेल प्रेमियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को ढेर सारी बधाई दी।

छात्राओं ने सीखे आत्मरक्षा के गुर

लखनऊ, (संवाददाता)। नवयुग कन्या महाविद्यालय की छात्राओं के जोश, आत्मविश्वास से भरीं आवाजें साबित कर रही थीं कि वे अब किसी विपरीत परिस्थिति में खुद को असहाय महसूस नहीं करेंगी। मौका था अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर बृहस्पतिवार को महाविद्यालय में आयोजित आत्मरक्षा प्रशिक्षण शिविर का। मार्शल आर्ट के इंटरनेशनल कोच व जीत कूनो डी एसोसिएशन के सचिव सुधीर कुमार शर्मा ने जूडो, कराटे, किक बॉक्सिंग, कुंग फू, ताईची व मोयथाए की जानकारी दी। ननचाक, शॉर्ट व लॉन्ग स्टिक जैसे हथियारों को इस्तेमाल करना बताया। शिविर में 80 छात्राओं ने भाग लिया। इस दौरान प्राचार्या प्रो. मंजुला उपाध्याय, प्रो. सीमा पांडेय, डॉ. ऐश्वर्या सिंह, डॉ. श्वेता उपाध्याय, डॉ. मनीषा बड़ौनियां भी मौजूद रहीं।

प्रॉपर्टी डीलर हत्याकांड में एक और आरोपी गिरफ्तार

लखनऊ, (संवाददाता)। प्रॉपर्टी डीलर अंकित लोधी हत्याकांड में काकोरी पुलिस ने एक और आरोपी दूल्हागंज निवासी अखिलेश यादव को बृहस्पतिवार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। आरोपी पर डीसीपी पश्चिमी विश्वजीत श्रीवास्तव ने पांच हजार का इनाम भी घोषित किया था। पुलिस अब बेहटा निवासी हिमांशु उर्फ गोलू यादव की तलाश में दबिश दे रही है। मामले में अब तक पांच आरोपी पकड़े जा चुके हैं। इंस्पेक्टर काकोरी नवाब अहमद के मुताबिक 19 फरवरी को परिचित से मारपीट के मामले में नाराज गोलू व उसके साथियों ने अंकित की गोली मारकर हत्या कर दी थी। पुलिस अब तक सुमित कनौजिया, सरवन उर्फ टऊवा व जांच में सामने आए व गोलू के मददगार दूल्हागंज निवासी अंशू यादव उर्फ काली व रंजीत कुमार को 24 फरवरी को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। मामले में अंकित के जीजा कृष्णानगर निवासी रामू ने केस दर्ज कराया था।

शादी समारोह के दौरान बदमाशों ने दूल्हे के पिता का रुपयों से भरा बैग छीन कर फरार

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर,। शाहगंज कोतवाली थाना अंतर्गत गुरुवार के देर रात बारात निकलने के दौरान बाइक सवार तीन की संख्या में बदमाशों दूल्हे के पिता का बैग लूटकर फरार हो गए। पीड़ित के मुताबिक घटना में चार लाख रुपये से अधिक की लूट बताई गई है। सूचना के डेढ़ घंटे बाद पहुंची पुलिस मामले की जांच में जुटी रही। लेकिन बदमाशों का कोई सुराग नहीं लगा।पुलिस पीड़ित की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर आजमगढ़ जिले के सरायमीर थाना क्षेत्र के बस्ती निवासी शीतला प्रसाद जायसवाल की बेटी अर्चना के विवाह का कार्यक्रम नगर के आजमगढ़ मार्ग स्थित एक मैरेज हाल से होना था। मैरेज से कुछ ही दूरी पर नई सब्जी मंडी के पास से ज्ञान चंद जा जायसवाल अपने बेटे राम आशीष की बारात निकाल कर शादी घर की तरफ आ रहे थे। सब्जी मंडी के सामने बारात पहुंची जिसमें लोग डीजे की धुन पर थिरकते हुए आगे बढ़ रहे थे, इसी एक बाइक पर सवार तीन की संख्या में पहुंचे बदमाशों ने दूल्हे आशीष के पिता ज्ञान चंद को धमकाते हुए रुपयों से भरा बैग लूटकर आजमगढ़ की ओर भाग निकले। बदमाशों के जाने के बाद पीड़ित द्वारा बाराती और रिश्तेदारों को घटना की जानकारी दी तो बारात में अफरातफरी का महौल बन गया। पीड़ित द्वारा घटना की सूचना डायल 112 पर की गई। सूचना पर पहुंची पीआरवी और कोतवाली पुलिस मामले की जांच में जुटी रही। पीड़ित के मुताबिक बैग में पांच लाख रुपये लेकर आया था, जिसमें कुछ रुपए खर्च हुए थे। चार लाख रुपए से अधिक बैग में थे। वही इस संबंध में शुक्रवाको जानकारी देते हुए क्षेत्राधिकार शाहगंज अजीत सिंह चौहान ने बताया कि कल रात शाहगंज कोतवाली थाना क्षेत्र के शाहगंज पैलेस में सरायमीर से एक बारात आई थी जिसमें बारात में शामिल के व्यक्ति ने ज्ञान चंद जायसवाल के रुपए से भरा बैग छीन कर अपने साथियों के साथ फरार हो गए। बैग में दो लाख 70 हजार रुपए थे ।जल्द ही उनको गिरफ्तार कर मामले का पर्दाफाश किया जाएगा।

बी पैक्स वितरण व ऋण वसूली में नम्बर एक बना - वीरेन्द्र प्रताप सिंह

मृत्युंजय प्रताप सिंह

लखनऊ माल। बी पैक्स खंडसरा मुड़ियारा लखनऊ की 49वीं वार्षिक निकाय बैठक किरण देवी की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में मुख्य अतिथि वीरेन्द्र प्रताप सिंह, प्रदेश अध्यक्ष, जिला सहकारी बैंक अध्यक्ष संघ उत्तर प्रदेश शामिल हुए। विशिष्ट अतिथि दिनेश प्रताप सिंह, विनय प्रताप सिंह डायरेक्टर जिला सहकारी बैंक लखनऊ, रामकुमार राही ब्लाक प्रमुख माल व सहकारिता एवम् इफको के अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारम्भ दीप प्रज्वलन व अतिथि जनप्रतिनिधि के स्वागत अभिनंदन से किया गया।

मुख्य अतिथि वीरेन्द्र प्रताप सिंह ने अपने संबोधन में उपस्थित डेलीगेट्स का आभार व्यक्त करते हुए कहा, आप सबके स्नेह, विश्वास, सहयोग से आज आपके सम्मुख कुछ कहने की हैसियत में खड़ा हूं। आप सबकी जागरूकता व समिति के सचिव कमलेश कुमार सिंह की मेहनत से यह बी पैक्स ऋण वितरण व वसूली में नम्बर एक है। प्रधानमंत्री के विजन को मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश योगी आदित्यनाथ ने सहकारिता को

अपनी प्राथमिकता में शामिल करते हुए किसान, व्यापारी, मजदूर को समय से खाद, बीज, कीटनाशक उपलब्ध कराने के लिए 10 लाख रूपये की ऋण मुक्त सहायता प्रदान की है। जिससे हम आपको समय से खाद बीज रासायनिक कीटनाशक उपलब्ध करा पा रहे हैं और ब्याज सरकार दे रही हैं। इफको के अधिकारी आपके साथ सम्बन्ध स्थापित कर नैनो खाद व कीटनाशक की उपयोगिता बताते हुए, प्रदर्शन क्षेत्र भी भौतिक रूप से करा कर खेती की पैदावार बढ़ा रहे हैं। साथ ही साथ आपके गेहूं, धान खरीद भी कर रहे हैं। यह समिति अब आगे आपकी हर जरूरत पूरा करेगी। अब केवल खाद, बीज की उपलब्धता के अलावा पशुपालन, बकरी पालन, आटा चक्की, मसाला चक्की, दुकान, 3: वार्षिक ब्याज दर पर किसान क्रेडिट कार्ड और तमाम 50से अधिक सुविधाओं के साथ सेवा देने को हम संकल्पित हैं। आप सबका सहयोग की भी महती आवश्यकता है। क्योंकि बांटे गए ऋण की वसूली भी अतिमहत्वपूर्ण है। हमारे प्रदेश की सहकारिता मंत्री का सपना हर बी पैक्स को कंप्यूटरीकृत कर समृद्धशाली बनाना है और उसके लिए वह सतत् प्रयासरत हैं। आइए हम सब मिलकर मोदी सरकार के सपनों के अनुरूप 2047 तक विकसित भारत, आत्मनिर्भर के निर्माण को दृढ़संकलित कर्मयोगी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ कदम मिलाकर आगे बढ़ें। समृद्धि, खुशहाल किसान ही हमारी शान, संस्कृति व पहचान है। इसके लिए हम आवश्यक प्रभावी तरीके से सेवा देंगे। सभापति किरण देवी ने आभार व्यक्त कर सभा का समापन किया।

प्रदेश में महापुरुषों के नाम शुरू होंगी दस योजनाएं

लखनऊ, (संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वित्तीय वर्ष 2025–26 के बजट पर चर्चा के दौरान कई महत्वाकांक्षी योजनाओं की घोषणा की। करीब दस ऐसी योजनाएं महापुरुषों को समर्पित करते हुए सीएम ने कहा कि यह पहल उत्तर प्रदेश को आत्मनिर्भर और समरस समाज की दिशा में नई ऊंचाई देगी। इन योजनाओं से कृषि, उद्योग, शिक्षा और सामाजिक कल्याण के क्षेत्र में विकास होगा। साथ ही रोजगार सृजन, महिला सशक्तीकरण और बौद्धिक विकास को बढ़ावा मिलेगा। माता शबरी के नाम पर कृषि मंडियों में कैंटीन और विश्रामालय भक्ति और समर्पण का प्रतीक माता शबरी के नाम पर कृषि मंडियों में कैंटीन और विश्रामालय की स्थापना से किसानों और श्रमिकों को सस्ते दर पर भोजन व आराम की सुविधा मिलेगी। सरकार ने अयोध्या में भी शबरी के नाम पर भोजनालय बनाया है।

सरदार पटेल के नाम पर जनपदीय आर्थिक क्षेत्र

हर परिवार से न्यूनतम एक व्यक्ति को रोजगार से जोड़ने के लिए जनपदीय आर्थिक क्षेत्र रोजगार जोन के रूप में बड़ा एलान किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रत्येक जनपद की विशेषताओं और संभावनाओं को देखते हुए 100 एकड़ में पीपीपी मॉडल पर इसका विकास किया जाएगा। यह अनूठी पहल देश के पहले गृहमंत्री सरदार पटेल को समर्पित होगी।

माता अहिल्याबाई होल्कर के नाम पर श्रमजीवी महिला हॉस्टल

कामकाजी महिलाओं के लिए वाराणसी, मेरठ, प्रयागराज, गोरखपुर, कानपुर नगर, झांसी और आगरा में वर्किंग वुमेन हॉस्टल बनेंगे। सांस्कृतिक पुनर्जागरण की अग्रदूत रहीं अहिल्याबाई के नाम पर ये हॉस्टल उनके 300वें जयंती वर्ष में अर्पित किए जाएंगे।

महारानी लक्ष्मीबाई मेधावी छात्रा स्कूटी योजना

रानी लक्ष्मीबाई भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की अमर वीरांगना थीं। उनके नाम पर मेधावी बालिकाओं को स्कूटी देने की योजना शुरू की गई है।

संत कबीरदास के नाम पर सीएम मित्र पार्क योजना समाज में समानता और श्रम की प्रतिष्ठा के पक्षधर संत रविदास के नाम पर प्रदेश में दो लेदर पार्क स्थापित किए जाएंगे।

स्त्रीत्व और आत्म खोज योग का मार्ग-विजया श्रीवास्तव

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। योग विशेषज्ञ विजया श्रीवास्तव ने कहा कि आठ मार्च का दिन महिला दिवस के रूप में स्त्रीत्व के जश्न को मनाने का मौका देता है, साथ ही महिलाओ की सशक्तिकरण की यात्रा को भी आगे बढ़ाने का दिन है, जिसमें योग एक अहम भूमिका निभाता है। यह आत्म खोज के लिए एक शक्तिशाली उपकरण, स्वयं को बेहतर बनाने का तरीका हैं। यह केवल उनके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर नहीं बनाता, बल्कि शारीरिक मुद्राओ श्वास तकनीक, और ध्यान के संयोजन से शरीर और मन के बीच संबंध को बढ़ाता हैं. यह महिलाओ को स्वयं से जोड़ता है, महिलाओ के लिए योग, स्वयं को जानना, महसूस करना, अपने शरीर विचार और कार्यों की जागरुकता रखना हैं। यह महिलाओ को अपनी पहचान का पता लगाने और डर या निर्णय के बिना अपने सच्चे स्वरूप को व्यक्त करने के लिए मदद करता हैं। प्रत्येक अभ्यास आत्मखोज की यात्रा हो सकती है, जहां महिलाये अपने शरीर को सुनना और अपने अंतर्जान का सम्मान करना सीखती है। योग को अपनाने से महिलाये न केवल खुद के साथ गहरे संबंध को बढ़ावा देती हैं, बल्कि दूसरों को भी ऐसा करने के लिए प्रेरित करती हैं। योग को अपने जीवन में एकीकृत करके आप आत्म स्वीकृति और

सशक्तिकरण के द्वार खोलते हैं। योग में प्रत्येक मुद्रा, प्रत्येक श्वास और प्रत्येक क्षण उस शक्तिशाली महिला से जुड़ने का अवसर है, जो आप हैं। योग सभी उम्र की महिलाओं के लिए फायदेमंद अभ्यास हैं, इसकी सुंदरता इसकी अनुकूलन क्षमता में निहित हैं। चाहे आप किशोरावस्था में हो, मातृत्व में हो रजोनिवृति की चुनौतियों का सामना कर रही हो, योग आपको अनुकूलित अभ्यास प्रदान करता है, जो जीवन के प्रत्येक चरण में लाभकारी है। योग के विभिन्न आसनों में जब हम अपने शरीर को विभिन्न आकृतियों और मुद्राओ में लाते हैं, तब न केवल हम एक मजबूत शरीर का निर्माण करते है, बल्कि सचेतना का भी विकास करते हैं। यह हमारे अंदर आत्मविश्वास और सशक्तिकरण को बढ़ावा देता हैं। महिलाये अक्सर भावनात्मक बोझ से दबी रहती है। जो शारीरिक तनाव और बेचैनी का कारण बनता हैं। योग श्वास क्रिया और माइंडफुलनेस को एकीकृत करके इन दबी हुई भावनाओ को मुक्त करता हैं। जिससे मन और शरीर को नई जीवंतता मिलती है। योग का अभ्यास महिलाओ के जीवन में शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक शक्ति प्राप्त करने का दृष्टिकोण प्रदान करता हैं जिससे वह साहस और सहजता के साथ जीवन की चुनौतियों का सामना करने में सशक्त बनती है। आज भी कई महिलाओ को अपनी शारीरिक छवि और सामाजिक दबाबों का सामना करना पड़ता है जिससे उनमे असुरक्षा की भावना आ जाती हैं। योग महिलाओ को अपने शरीर, भावनाओ और आंतरिक ज्ञान का सम्मान करना सिखाता है। जैसी वह है, उसी रूप में। प्रत्येक खिचाव और प्रत्येक श्वास के साथ अपने शरीर को अपनाना और सहराना करना सीखती है। आत्मस्वीकृति को बढ़ावा मिलता है, यह स्वीकृति ही सशक्तिकरण हैं, जो महिलाओ को अपने शरीर और आकार में नारीत्व को अपनाने में मदद करता है। योग को अपने जीवन में शामिल करने के लिए बहुत ज्यादा समय की जरूरत नहीं होती। हर दिन कुछ मिनट की सचेत क्रियाएँ और श्वास पर ध्यान देने से भी फरक पड़ता है। मुख्य बात यह है की आप निरंतरता के साथ इस योगिक सशक्तिकरण की यात्रा में आगे बढ़ती रहे, आइए, आज से ही अपनी इस योगिक यात्रा का शुरुआत करे।

नशे से दूर रहने का किया आह्वान

लखनऊ, (संवाददाता)। कस्बा स्थित राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की ओर से चल रहे सात दिवसीय विशेष शिविर के छठे दिन नशा मुक्ति कार्यक्रम आयोजित हुआ। शिविरार्थियों ने रैली व नुक्कड़ नाटक के माध्यम से लोगों को नशे से दूर रहने का संदेश दिया। शिविर में पहुंचे अतिथि डॉ. गौरव त्रिपाठी ने कहा कि नशा न केवल व्यक्ति बल्कि पूरे परिवार की खुशहाली और विकास को नष्ट कर देता है। कहा कि नशा एक ऐसी बुराई है जो व्यक्ति को शारीरिक, मानसिक और आर्थिक रूप से तोड़ देती है। हमें इससे दूर रहना चाहिए। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अनीता मिश्रा ने नशे को एक गंभीर सामाजिक बुराई बताते हुए इससे दूर रहने का आह्वान किया। नशा मुक्ति के नुक्कड़ नाटक में शालू, पलक पाल, नाजिया बानो, नेहा कुमारी, नितेश मिश्र, आशीष कुमार और शिवम यादव ने प्रदर्शन किया। नाजिया बानो और पलक पाल ने ग्रामीणों के साथ संवाद स्थापित कर उन्हें नशा मुक्ति के प्रति प्रेरित किया। बौद्धिक सत्र में डॉ. संदीप कुमार निगम ने स्वयंसेवियों को नशे के दुष्परिणामों और बचने के उपायों के बारे में विस्तार से बताया। शिविरार्थी कविता ने गीत के माध्यम से भी नशा मुक्ति का संदेश दिया। इस दौरान डॉ. नीतू कुमार, डॉ. गौरव त्रिपाठी, डॉ. संदीप कुमार निगम, वर्षा रानी और रेखा श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

बर्खास्त हुए छह शिक्षकों में से पांच गिरफ्तार, एक फरार

लखनऊ, (संवाददाता)। बेसिक शिक्षा विभाग में कूट रचित दस्तावेजों के सहारे धोखाधड़ी से नौकरी पाने के मामले में बर्खास्त हुए छह शिक्षकों में से पांच को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। जबकि एक आरोपी शिक्षक फरार होने में सफल रहा। विभागीय स्तर पर मंगलवार को हुई बर्खास्तगी के बाद बुधवार को बीईओ हरिहरपुरानी, जमुनहा व सिरसिया ने इस मामले में पुलिस में केस दर्ज कराया था। डीएम अजय कुमार द्विवेदी व एसपी घनश्याम चौरसिया के निर्देश पर बीएसए अजय कुमार ने मंगलवार को छह शिक्षकों की बर्खास्तगी का आदेश जारी किया था। इसके बाद बुधवार को बीईओ हरिहरपुरानी अमित कुमार, जमुनहा सतीश कुमार व सिरसिया राजकिशोर की तहरीर पर संबंधित थानों में आरोपी शिक्षकों के खिलाफ केस दर्ज कराया गया। पुलिस ने बुधवार देर रात ही इनमें से पांच आरोपियों की गिरफ्तारी कर ली। इनमें चार शिक्षक कानपुर देहात व एक बस्ती जिले के निवासी है। गिरफ्तार शिक्षकों में ईश्वरचंद नगर थाना भोगनीपुर निवासी आलोक कुमार गुप्ता उर्फ किशन गुप्ता सहायक शिक्षक के पद पर सिरसिया के प्राथमिक विद्यालय बल्दीडीह में, कानपुर नगर के ग्राम इस्माइलपुर निवासी प्रदीप कुमार पुत्र लालजी सिरसिया के प्राथमिक विद्यालय केशवपुर में व कानपुर देहात के ही तहसील भोगनीपुर के ग्राम भोगीसागर निवासी जितेंद्र सिंह पुत्र राम औतार व कानपुर देहात के ग्राम परेहरापुर निवासी सुशील कुमार पुत्र रामसजीवन 2017 से जमुनहा के प्राथमिक विद्यालय भवानीपुरवा में सहायक शिक्षक के पद पर तैनात थे। इनके साथ ही बस्ती जिले के रामपुर तप्पा कनैला थाना कलवारी निवासी उमेश कुमार मिश्र पुत्र प्रेम चंद्र की वर्तमान में उच्च प्राथमिक विद्यालय असनहरिया हरिहरपुररानी में सहायक शिक्षक के पद पर तैनाती थी। जबकि बस्ती जिले के ग्राम थान्हा तहसील हर्रैया निवासी संदेश श्रीवास्तव जो जमुनहा के प्राथमिक विद्यालय अहिरन देवरा में सहायक शिक्षक के पद पर तैनात थे, गिरफ्तारी की भनक लगते ही फरार हो गए। पुलिस उनकी तलाश में जुटी है। सहायक शिक्षक के पद पर सिरसिया के प्राथमिक विद्यालय बल्दीडीह में तैनात आलोक कुमार गुप्ता उर्फ किशन गुप्ता को विद्यालय प्रबंध समिति के माध्यम से अतिरिक्त कक्षा कक्ष बनवाने की जिम्मेदारी भी सौंप रखी थी। अतिरिक्त कक्ष बनवाने के लिए धन का आहरण भी उन्होंने कर लिया था।

मकबरा स्थित स्टेडियम के पास लगी आग के चलते आसपास रहा अफरा तफरी का माहौल

अयोध्या। गुरुवार को शाम अचानक शहर के मकबरा स्थित स्टेडियम के समीप भीषण आग लग गई।स्थानीय लोगों की माने तो आग इतनी भीषण लगी हुई थी कि वहां से लोग अपने–अपने घरों को छोड़कर भागने लगे।आसपास अफरा तफरी का माहौल रहा।स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना बिना देरी किये अग्निशमन विभाग को दिया।पुलिस लाइन स्थित फायर विभाग के नियंत्रण कक्ष पर बैठे फायर कर्मी ने बिना पूरी जानकारी लिए कि वहां पर बड़ी दमकल को घटना स्थल पर भेज दिया।परंतु वहां

सकरी रास्ता था।जिसके चलते बडी दमकल घटनास्थल तक नहीं पहुंच सकी और देखते ही देखते आग पूरी तरह जंगल की तरफ फैल गई।इसके बाद प्रभारी अग्निशमन अधिकारी प्रदीप पांडे ने अयोध्या से छोटी गाड़ी मंगाई।छोटी गाड़ी आने के बाद आज पर काबू पाया गया।छोटी गाड़ी आने पर आग पर काबू पाया गया। बताते चले कि वहां पर घास,फूस और सुखे पेड़ पौधे थे जिसके चलते यह आग बड़ी ही तेजी से पकड़ लिया और देखते ही देखते आग पूरी आसपास फैल गई।परंतु अग्निशमन कर्मियों व स्थानीय लोगों के कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया।आग बुझाने के बाद स्थानीय लोगों ने राहत की सांस लिया।स्थानीय लोगों ने बताया कि यहां पर शाम से ही अराजक तत्वों, शराबियो का जमावड़ा हो जाता है। जिसके चलते यह गंभीर समस्या बनी रहती है।परंतु इस गंभीर समस्या पर पुलिसकर्मी ध्यान नहीं दे रहे है।

सर्विलांस की मदद से पुलिस ने किया मोबाइल चोर को गिरफ्तार

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। अयोध्या पुलिस ने मोबाइल चोरी के एक मामले में आरोपी को गिरफ्तार किया।इनायत नगर थाना पुलिस ने आकाश दूबे नाम के आरोपी को छिवली गांव की तरफ जाने वाली सड़क से पकड़ा।पुलिस के मुताबिक आरोपी ने 4 मार्च को बैंक ऑफ बड़ौदा की मिल्कीपुर शाखा से एक मोबाइल समेत अन्य समान चुराया था।गिरफ्तार आरोपी आकाश दूबे क्षेत्र के शाहगंज बाजार का बताया गया।आरोप के मुताबिक उसने पीडित महिला का मोबाइल चुराया था।पुलिस ने इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस की मदद से आरोपी को गिरफ्तार किया है।पुलिस के पूछताछ में आरोपी ने अपना जुर्म कबूल कर लिया।पुलिस ने उसके पास से चोरी का रेडमी मोबाइल फोन, आधार कार्ड, पैन कार्ड और एक झोला बरामद किया है।आरोपी के खिलाफ थाना इनायत नगर में धारा 303(2) के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस टीम ने पकड़े गए आरोपी को थाने ले आई जहां उसके विरुद्ध विधिक कार्यवाही की जा रही है।यह कार्रवाई सीओ मिल्कीपुर श्रीयश त्रिपाठी के निर्देशन में थाना प्रभारी निरीक्षक देवेंद्र कुमार पाण्डेय की टीम ने की।टीम में उपनिरीक्षक रवींद्र सिंह, आलोक कुमार सिंह, हेड कांस्टेबल ऋषिकेश दूबे और कांस्टेबल रामाज्ञा शामिल थे।

शहर में 8 बाइक पेट्रोलिंग टीमों को तैनात विभिन्न मार्गों पर भ्रमण करके यातयात को बनाएगी सुगम

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर पुलिस ने शहर की यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए एक नई पहल की है। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर शहर में 8 बाइक पेट्रोलिंग टीमों को तैनात किया गया है। सहायक पुलिस अधीक्षक ने यातायात कार्यालय से हरी झंडी दिखाकर इन टीमों को रवाना किया। ये टीमें सुबह 9 बजे से रात 9 बजे तक 7 अलग–अलग रूट पर गश्त करेंगी। इनका मुख्य काम सड़कों पर गलत तरीके से खड़े वाहनों को हटवाना और

यातायात को सुचारु बनाना होगा। आवश्यकता पड़ने पर ये टीमें कानूनी कार्रवाई भी करेंगी। पहली टीम लाइन बाजार चौराहा से रोडवेज तिराहा तक, दूसरी टीम वाजिदपुर से मड़ियाहू ओवर ब्रिज तक, और तीसरी टीम वाजिदपुर से कुत्तुपुर तक गश्त करेगी। चौथी टीम पॉलिटेक्निक से चहारसू तक, पांचवीं टीम जेसिस चौराहा से जोगियापुर पुल तक, छठी टीम चहारसू से चांद मेडिकल तक, और सातवीं टीम कोतवाली से सिपाह तक निगरानी करेगी। सभी पेट्रोलिंग टीमों को वायरलेस सेट, बॉडी–वॉर्न कैमरा और सेफ्टी टॉर्च से लैस किया गया है। एक उप–निरीक्षक यातायात इन सभी टीमों की निगरानी करेंगे। यह पहल शहर की यातायात व्यवस्था को सुगम, सुचारू और सुरक्षित बनाने में मददगार साबित होगी।

पाली में दो पहिया चालकों की ली जा रही खबर कई वाहनों के कटे चालान'

'रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'पाली–(हरदोई)' पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर यातायात नियमों के दृष्टिगत पाली पुलिस द्वारा यातायात उपनिरीक्षक सुरेश बहादुर सिंह के नेतृत्व में वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। गुरुवार को पाली के निजामपुर चौराहे पर सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। यातायात उपनिरीक्षक के नेतृत्व में पुलिस टीम ने कई दो पहिया वाहनों का चालान काटा। पिछले 15 दिनों के अंतराल में थाना क्षेत्र में कई गंभीर सड़क दुर्घटनाएं हुई हैं। ज्यादातर दुर्घटनाएं बिना हेलमेट, ओवर स्पीड और शराब के नशे में हुई हैं। यातायात उपनिरीक्षक एस0बी0 सिंह ने बताया कि इस समय बढ़ती दुर्घटनाओं को कम करने तथा लोगों को यातायात नियमों के संबंध में जागरूक करने एवं यातायात अभियान के तहत वाहनों की चेकिंग की जा रही है। उन्होंने कहा कि बिना हेलमेट के दो पहिया वाहन चलाना जानलेवा साबित हो सकता है। उन्होंने सभी वाहन चालकों से ड्राइविंग लाइसेंस,आर सी के साथ ही हेलमेट पहनने की हिदायत दी। आपको बता दें कि थाना प्रभारी सोमपाल गंगवार की सक्रियता से पाली थाना क्षेत्र में अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगा है। वाहन चेकिंग अभियान का असर देखने को मिला। चेकिंग के दौरान कई वाहन चालक मुख्य मार्ग को छोड़कर वैकल्पिक मार्गों का सहारा लेते नजर आये। वाहन चेकिंग अभियान में महिला उपनिरीक्षक आकांक्षा सिंह,उपनिरीक्षक सलीमुद्दीन खां के अलावा करीब आधा दर्जन सिपाही भी शामिल थे।

जिला पंचायत की बैठक में 70 करोड़ का बजट पास,वन नेशन वन इलेक्शन को सर्वसम्मति से मिली मंजूरी

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। जिला पंचायत की महत्वपूर्ण बैठक शांति माहौल में सम्पन्न हुई।बैठक की अध्यक्षता जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रोली सिंह ने की।जिसमें 70 करोड़ के बजट को मंजूरी दी गई। यह बजट 15वें व पंचम वित्त आयोग के तहत पास किया गया है। बैठक में विभिन्न विकास योजनाओं पर चर्चा हुई,और 43 आइटमों पर लाइसेंस फीस माफ करने का निर्णय लिया गया।बैठक के दौरान बड़े अधिकारियों की अनुपस्थिति पर अध्यक्ष रोली सिंह ने कड़ी नाराजगी जाहिर की। उन्होंने कहा कि अधिकारियों के न आने से विकास कार्यों में बाधा उत्पन्न हो रही है, जो किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है।उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि जो अधिकारी अगली बैठक में शामिल नहीं होंगे,उनके खिलाफ उच्च स्तर पर शिकायत की जाए।

बैठक में ष्वन नेशन, वन इलेक्शनष् प्रस्ताव को भी सर्वसम्मति से पारित किया गया।यह प्रस्ताव देश में एक साथ चुनाव कराने की नीति को समर्थन देता है।इस बैठक में कई जनप्रतिनिधि और अधिकारी शामिल रहे।प्रमुख रूप से डॉ. हरिओम पांडे,विधायक मिल्कीपुर चंद्रभानु पासवान,सीडीओ केके सिंह,डीएम के प्रतिनिधि के रूप में मजिस्ट्रेट,एएमए मुकेश जैन, इंजीनियर अविनाश श्रीवास्तव, प्रिया सिंह,अधिकारी चंद्र प्रकाश तिवारी मौजूद रहे।इसके अलावा हरीश चंद्र निषाद, अतुल यादव, इंद्रभान सिंह, सुनील सिंह बबलू पासी अशोक मिश्रा कंचन पासवान गुड़िया पासी राजपूत, अंकित पांडेय सहित अन्य पंचायत सदस्य भी बैठक में उपस्थित थे।बैठक को विकास योजनाओं और प्रशासनिक जवाबदेही की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है।

'जिलाधिकारी ने छात्राओं से किया संवाद'

'रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'हरदोई' जिलाधिकारी मंगला प्रसाद ने 8 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के पूर्व आज शुक्रवार को सीएसएन पीजी कॉलेज में छात्राओं से शक्ति संवाद किया। पढ़ेगी बेटी, बढ़ेगी बेटी की थीम पर आधारित कार्यक्रम में छात्राओं ने जिलाधिकारी से प्रश्न पूछे जिनका जिलाधिकारी ने जवाब दिया। कार्यक्रम की शुरुआत जिलाधिकारी व अन्य अतिथियों ने सरस्वती प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किये तथा दीप प्रज्ज्वलित कर किया। उन्होंने कॉलेज के संस्थापक बाबू मोहन लाल वर्मा की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। जिलाधिकारी ने कहा कि महिलाओं को आत्मनिर्भर होना चाहिए जिससे वे अपने निर्णय स्वयं ले सकें। अपने अंदर से लाचारी का भाव निकाल दें। सरकार ने महिलाओं के लिए बहुत सी कल्याणकारी योजनाएँ चलाई हैं। कॉलेज की शिक्षिकाएं महिला सशक्तिकरण का प्रमाण है। सभी छात्राएं मन लगाकर पढ़ाई करें। मेहनत का कोई विकल्प नहीं है।अपने माँ–बाप का नाम रोशन करें।उन्होंने छात्राओं को पैरा बैडमिंटन खिलाड़ी रूचि त्रिवेदी के परिश्रम का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा कि आज बेटी के पैदा होने पर सरकार भी सहयोग दे रही है। इन योजनाओं के बारे में जानें और समाज के अन्य लोगों को भी बताएं। उन्होंने सभी को आज के दिन नारी सशक्तिकरण की शपथ लेने को कहा। उन्होंने बताया कि कॉलेज में एक हॉल के निर्माण का प्रयास किया जा रहा है। कॉलेज की चहारदीवारी में वृक्षारोपण भी कराया जायेगा। संवाद कार्यक्रम के दौरान एक छात्रा को जवाब देते हुए कहा कि गंदगी पोशाक में नहीं बल्कि गंदगी कुछ लोगों के दिमाग में होती है। ये मत सोंचे कि लोग आपके बारे में क्या सोचते हैं बल्कि यह सोंचे कि आप अपने बारे में क्या सोचते हैं। एक छात्रा ने पूछा कि राजनीति व अर्थ जगत में महिलाओं की भागीदारी कम क्यों है। इस प्रश्न के जवाब में कहा कि काफी तेजी से बदलाव आ रहा है। जल्द ही संसद व विधानसभाओं में भागीदारी बढ़ेगी। जनपद में उच्च स्तर के कई अधिकारी महिला ही हैं। विकसित भारत के संकल्प में महिलाओं को भी भागीदार बनाया गया है। महिलाओं की जागरूकता से महिला उत्पीड़न की घटनाओं में कमी आयी है। सफल महिलाओं को अपना आदर्श बनायें। एक बच्ची ने पूंछा कि महिला प्रधानों के निर्णय प्रतिनिधियों द्वारा लिए जाते हैं। जिलाधिकारी ने बताया कि महिला प्रधानों को मजबूती प्रदान करने के लिए जनपद में काफी प्रयास किया गया है। इसके लिए महिलाओं को खुद भी सक्षम बनना होगा। उन्हें भी अपने दायित्वों के बारे में जानना होगा। एक बच्ची ने एसिड अटैक को लेकर पूछे गए प्रश्न को लेकर कहा कि इसकी सूचना तत्काल पुलिस को दें। ऐसे मामलों में कठोर दंड दिया जाता है। रानी लक्ष्मी बाई योजना के अंतर्गत सरकार सहायता देती है। उन्होंने सोशल मीडिया पर अनजान लोगों से दोस्ती से बचने को कहा। जिलाधिकारी ने जनपद में महिलाओं की सुरक्षा के लिए उठाये जा रहे कदमों के बारे में बताया। उन्होंने संवाद कार्यक्रम में भाग लेने वाली 5 छात्राओं को घड़ी भेंट की। कॉलेज के प्राचार्य कौशलेन्द्र कुमार सिंह ने बताया कि यह कार्यक्रम छात्राओं को समर्पित है। आज आधी आबादी परिवार व समाज के निर्णय लेने में अपना योगदान कर रही है। कॉलेजों में छात्राओं की संख्या बढ़ी है। कॉलेज में शिकायत के लिए पिंक बॉक्स लगाया गया है। बच्चियों को सुरक्षा के लिए कॉलेज में निःशुल्क ताईक्वांडो सिखाया जाता है। कॉलेज में वाचनालय बनाया गया है। कॉलेज से बड़ी संख्या में छात्राएं यूजीसी नेट की परीक्षा पास कर रही हैं। नये सत्र से स्नातक स्तर पर गृह विज्ञान की पढ़ाई करायी जाएगी।एक एंटी रैगिंग सेल भी बनाई गयी है जिसके लिए एक राष्ट्रीय टोल फ्री नम्बर 18001805522 निर्धारित है। विशाखा गाइड लाइन के तहत भी कॉलेज में एक सेल स्थापित है।उन्होंने कॉलेज में सुविधाओं के विस्तार के लिए जिलाधिकारी का आभार जताया। जिला प्रोबेशन अधिकारी ने कन्या सुमंगला आदि योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने महिला हेल्पलाइन(1090), चाइल्ड हेल्पलाइन(1098) व सी बॉक्स सुविधाओं के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि दहेज प्रतिषेध का कानून लागू है जिससे दहेज लेना व देना अपराध है। घरेलू हिंसा अधिनियम व पोक्सो ऐक्ट नारी शक्ति को मजबूती देता है। कार्यक्रम के अन्त में जिलाधिकारी ने छात्राओं को दहेज मुक्ति व नशा मुक्ति की शपथ दिलायी। इस अवसर पर उप प्रधानाचार्य ऊषा गंगवार व कॉलेज के शिक्षक शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

सीएमओ ने एएलएस एंबुलेंस सेवा मे विशेष सेवा दे रहे कर्मियों को किया सम्मानित - सीएमओ

अयोध्या। प्रदेश सरकार मरीजों के इलाज मे बेहतर सेवा प्रदान करने के लिए निःशुल्क ए एल एस एम्बुलेंस सेवा प्रदान कर रही है।जिसका लाभ प्रदेश के मरीजों को मिल रहा है।यह बातें सोमवार को दो दिवसीय प्रशिक्षण के दौरान मुख्य अतिथि के रुप मे आये सीएमओ डाक्टर कुमार जिला सभागार मे कही।उन्होंने बताया कि इसका संचालन मेड केयर 365 प्राइवेट लिमिटेड संस्थान द्वारा विगत 4 वर्षों से किया जा रहा है।बताया कि एएलएस एम्बुलेंस अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त है जिसमें वेंटिलेटर, मॉनिटर,सिरिंज पंप इत्यादि उपकरण मौजूद हैं, जो गंभीर मरीजों की जान बचाने हेतु प्रयोग की जाती है।बताते चले संस्थान द्वारा तैनात ईएमटी और पायलट का दो दिवसीय प्रशिक्षण जिला सभागार में सीएमओ डॉक्टर सुशील कुमार,नोडल एएलएस एम्बुलेंस डॉक्टर दीपक पांडे और डी पी सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुई।दो दिवसीय प्रशिक्षण में मरीजों की त्वरित चिकित्सा प्रदान करने हेतु मेड केयर द्वारा तैनात प्रशिक्षक विकास पाण्डेय ने मरीजों को अस्पताल पहुंचने तक जान बचाने हेतु प्राथमिक उपचार की जानकारी दी।इस मौके पर बेहतर कार्य करने वाले ईएमटी और चालकों को पदाधिकारियों द्वारा सम्मानित किया गया। इस प्रशिक्षण शिविर में ऑपरेशन हेड जोगेंद्र सिंह, मंडल प्रबंधक समीर द्विवेदी,एच आर शिवम बाजपेई, मेंटीनेंस सुपरवाइजर अमन शुक्ला, अमर वर्मा सहित अन्य कर्मी मौजूद रहे।

सी एच सी के शिवालय में शिव परिवार की प्राण-प्रतिष्ठा

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना)

शुक्रवार को सी एच सी शाहाबाद के शिव मंदिर में वैदिक मंत्रोचार के साथ शिव परिवार स्थापना कार्यक्रम हुआ।जिसमें वाराणसी के आचार्य अखिलेश पांडेय ने प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ प्रवीण कुमार दीक्षित के आवास पर हवन आदि कराकर विधिवत पूजन कराया। सी एच सी अधीक्षक डॉ प्रवीण कुमार दीक्षित ने नगर एवं क्षेत्रवासियों को शुभकामनाएं देते हुए सुख–समृद्धि की कामना की। उन्होंने कहा कि आज के दिन अद्भुत संयोग है, जहां एक ओर होली की शुरुआत हो रही है वहीं शुक्रवार के दिन महादेव मंदिर में शिव परिवार की स्थापना हो रही है।शिव–शक्ति का संयोग ही परमात्मा है। सी एच सी प्रांगण स्थित शिवालय में शिव परिवार को स्थापित करने का उद्देश्य शाहाबाद और हरदोईवासियों के लिए शांति, समृद्धि और विकास के लिए कामना करना है। इस अवसर पर शिक्षक नेता प्रभाकर बाजपेयी, सभासद अतुल कुमार मिश्र, डॉ रिजवान खां, वी के मिश्र, वी एन मिश्र, नीरज राजपूत, कुलदीप यादव,शाश्वत त्रिवेदी, पुष्पेंद्र शुक्ला सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु, भक्तजन तथा अस्पताल का स्टाफ मौजूद रहा।

रजनीश त्रिपाठी ने कश्मीर में अनुच्छेद 370 और मीडिया पर शोध कार्य कर डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की!

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना)

जिले की कटियारी के बाशिंदे रजनीश त्रिपाठी ने कश्मीर में अनुच्छेद 370 और मीडिया पर शोध कार्य कर डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की! पत्रकारिता में एम. ए. और एम. फिल. की उपाधि स्वर्ण पदक के साथ महात्मा गाँधी अंतर्राष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय वर्धा महाराष्ट्र से उत्तीर्ण करने वाले रजनीश ने पत्रकारिता में यूजीसी की राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा को भी उत्तीर्ण किया है!

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय मोतिहारी के मीडिया अध्ययन विभाग के पी–एच.डी. शोधार्थी रजनीश कुमार त्रिपाठी हरपालपुर विकास खंड के ग्राम सतौआ के निवासी और पेशे से शिक्षक देवेन्द्र त्रिपाठी के पुत्र है! रजनीश ने ष्अनुच्छेद 370 मुक्त कश्मीररू राष्ट्रीय प्रिंट मीडिया की भूमिका एवं प्रभाव का अध्ययन (दिल्ली से प्रकाशित दैनिक जागरण समाचार पत्र के विशेष संदर्भ)ष विषय पर अपना शोध विभाग के सहायक आचार्य डॉ. सुनील दीपक घोडके के निर्देशन और हिंदी विभाग के सहायक आचार्य डॉ. श्यामनंदन के सह निर्देशन मे पूर्ण किया है! अकादमिक क्षेत्र में मीडिया अध्ययन की दृष्टि कश्मीर में अनुच्छेद 370 के समापन के बाद से यह प्रथम पीएचडी शोध कार्य है, जिसमें अनुच्छेद 370 उन्मूलन में मीडिया की भूमिका को रेखांकित किया गया है! शोधार्थी को इस अध्ययन के लिए राष्ट्रीय स्तर पर भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा प्रदान की जाने वाली डॉक्टरोल फेलोशिप भी प्राप्त हुई है ! आपको बताते चले कि मेधावी रजनीश इससे पूर्व 2 बार राष्ट्रपति से और एक बार राज्यपाल

पुरस्कार से सम्मानित हो चुके हैं! रजनीश ने अकादमिक जगत में अपनी मेधा का परचम फहराते हुए दो दर्जन से अधिक राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में प्रतिभाग कर अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए हैं और रजनीश 3 किताबों के लिए चौप्टर लिख चुके है! रजनीश के कश्मीर और अनुच्छेद 370 , परम्परागत वेश्यावृत्ति, मीडिया और भाषा, कश्मीर और सिंधु सभ्यता विषयों पर सात शोध आलेख पियर रिव्यू जर्नल में प्रकाशित हो चुके है! रजनीश के शोध कार्य का मूल्यांकन स्कूल ऑफ मीडिया स्टडीज, स्वामी रामानंद तीर्थ मराठवाडा विश्वविद्यालय, नांदेड़ महाराष्ट्र के प्रो. सुहास दुर्गेशराव पाठक और जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के जनसंचार एवं नवीन मीडिया विभाग के प्रो. परमवीर सिंह ने किया ! अपनी स्कूली शिक्षा से बहुआयामी प्रतिभा के धनी रजनीश एनसीसी में सी सर्टिफिकेट और बेस्ट कैडेट रहे हैं, स्काउटिंग में राष्ट्रपति पुरूस्कार ,राष्ट्रीय बाल विज्ञानी पुरस्कार ,अटल बिहारी वाजपेयी श्रेष्ठ वक्ता पुरूस्कार ,नवीन जैन राष्ट्रीय वाद विवाद प्रतियोगिता के विजेता, सरोजनी नायडू राष्ट्रीय वाक प्रतियोगिता के लगातार 4 वर्ष चौम्पियन सहित 200 से ज्यादा वाद विवाद और भाषण प्रतियोगिताओं के विजेता रजनीश की इस उपलब्धि पर सांसद श्री जय प्रकाश रावत, विधायक श्री माधवेंद्र प्रताप सिंह रानू, सीएसएन महाविद्यालय के राजनीति विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. अखिलेश बाजपेयी, प्रधानाचार्य परिषद के अध्यक्ष डॉ. राजेश तिवारी, उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ के प्रदेश महामंत्री आशीष सिंह, बार एसोसिएशन सवायजपुर के पूर्व अध्यक्ष उदयराज सिंह, जिला पंचायत सदस्य राणा प्रताप सिंह हिमालय, राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के जिला संयोजक सचिन मिश्र समेत जिलेभर से सामाजिक, सांस्कृतिक और शैक्षिक संस्थाओं ने हर्ष व्यक्त किया और रजनीश को शुभकामनाएं प्रेषित की है!

मैने अपने जीवनकाल में कई बार ऐसे अवसर देखे,जब दोनों समाज के त्यौहार एक ही समय पर पड़ते हैं – अमरनाथ मिश्रा

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। चीफ वार्डेन अमरनाथ मिश्र ने बताया कि पुलिस उपायुक्त (पश्चिम) विश्वजीत श्रीवास्तव की अध्यक्षता में बैठक सम्पन्न हुई। ए.डी.सी.पी धनंजय सिंह कुशवाहा, ए.सी.पी. चौक, राजकुमार सिंह, इस्पेक्टर चौक नागेश उपाध्याय, चीफ वार्डेन लखनऊ अमरनाथ मिश्र की उपस्थिति में होलिकोत्सव समिति चौक, लखनऊ के अनुराग मिश्र, गोविन्द शर्मा, ओम शर्मा हरिश्चन्द्र वंशीय होलिकोत्सव समिति राजाबाजार, के संजीव रस्तोगी, चित्रांश रस्तोगी चौपटिया होलिकोत्सव समिति के लक्ष्मीकान्त पाण्डेय, रिद्धी गौड़ की उपस्थिति में आयोजित बैठक में बताया गया कि चीफ वार्डेन की अध्यक्षता में उपरोक्त होलिकोत्सव समितियों की बैठक में निर्णय लिया गया है कि 14 मार्च, 2025 को जुमे की नमाज को देखते हुए गंगा जमुनी संस्कृति के तहत होलिकोत्सव जुलूस जो कि 1 बजे से 2 बजे के बीच समाप्त होता था उसे 1घंटा कम करके 12.30 बजे समाप्ति का निर्णय लिया गया है जिसका पत्र पुलिस उपायुक्त(पश्चिम) को सौपा। पुलिस उपायुक्त पश्चिम ने कहा कि यह निर्णय सराहनीय एवं स्वागत योग्य है सभी उपस्थिति सदस्यों को मिठाई खिलाकर धन्यवाद दिया चीफ वार्डेन अमरनाथ मिश्र ने कहा कि मैने अपने जीवन काल में कई बार ऐसे अवसर देखे है जब लखनऊ में कभी भी इस प्रकार के त्यौहार एक ही समय पर पड़ते है तब दोनो समाजों के लोगों ने एक दूसरे के त्यौहारों को आपसी भाई चारा की मिशाल देते हुए दोनो समाजों के लोग एक साथ बैठकर अपने अपने त्यौहार को आगे पीछे करके सकुशल हर्सोउल्लास के साथ मनाते है।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 – 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI NO - UPHIN/2022/86937
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।